रोमियां नै कागद

1 [1]पौलुस जकौ यीशु मसीह रौ चाकर है,
जिणनै परमेसर प्रेरित बणण सारू बुलायौ,
जिणनै परमेसर रै उण सुभसंदेस रै प्रचार सारू
टाळीज्यौ [2]जिणरी नबियां कांनी सूं पवित्र शास्त्रां मांय
पैलां ई घोसणा करीजगी ही। [3]जिणरौ संबंध पूत सूं है,
जकौ सरीर सूं दाऊद रौ वंसज है [4]पण पवित्र आतमा
कांनी सूं मरयोड़ां मांय सूं जींवतौ करीजण रै कारण
उणनै सामरथ रै सागै परमेसर रौ पूत दरसाईज्यौ है, वौ
इज यीशु मसीह म्हांरौ प्रभु है।

[5]इणी रै मार्फत म्हनै किरपा अर भगती मिळी,
जिणसूं कै सगळा गैर यहूदियां मांय उणरै नांव री
वा आस्था पैदी करी जाय सकै जकी कै विस्वास सूं
जलम लेवै। [6]वां मांय परमेसर कांनी सूं यीशु मसीह
रौ होवण सारू थे लोग ई तेड़ीज्या (बुलाईज्या) हौ।

[7]वौ म्हैं, थां सगळां सारू औ कागद लिख रैयौ हूं,
जका रोम मांय हौ अर परमेसर रा व्हाला हौ अर जका
परमेसर रै पवित्र जन होवण सारू तेड़ीज्या हौ।

म्हांरै परम पिता परमेसर अर प्रभु यीशु मसीह कांनी
सूं थांनै वांरी किरपा अर सांति मिळै।

धिनवाद री अरज

[8]सगळां सूं पैलां म्हैं यीशु मसीह कांनी सूं थां सगळां
सारू म्हारै परमेसर नै धिनवाद देवणौ चाऊं। क्यूंकै
थांरै भरोसै री चरचा आखै संसार में होय रैयी है।
[9]प्रभु, जिणरी सेवा उणरै पूत रै सुभसंदेस रौ उपदेस
देवता थकां म्हैं म्हारै हिरदै सूं करूं हूं, इण बात
रौ साखी है, कै म्हैं थांनै हमेसा चितारतौ रैऊं हूं।
[10]म्हारी प्रार्थनावां मांय म्हैं हमेस ई अरज करतौ रैऊं
हूं कै परमेसर री इंछा सूं थांरै कनै आवण री म्हारी
जात्रा किणी तरै पूरी होवै। [11]म्हैं घणी चावना राखूं,
क्यूंकै म्हैं थांसूं मिळ'र थांनै कीं आत्माऊ उपहार
देवणा चाऊं हूं, जिणसूं थे सबळ बण सकौ। [12]कै
म्हनै कैवणौ चाईजै कै म्हैं जद थांरै बिचाळै होऊं,
तद अेक-दूजै रै भरोसै सूं आपां आपसरी में हूंस रै
सागै हरखित होवां।

[13]भायां, म्हैं चाऊं हूं, कै थांनै इण बात रौ ठाह
होवणौ चाईजै कै म्हैं थांरै कनै केई बार आवणौ चायौ है
ताकि जैड़ौ फळ म्हैं गैर यहूदियां में देख्यौ है, वैड़ौ इज
थांरै मांय ई देख सकूं, पण केई अबखायां रै चालतां
अबार तांई आय नीं सक्यौ।

[14]म्हारै माथै यूनानियां अर गैर यूनानियां, बुद्धिमानां
अर मूरखां सगळां रौ करज है। [15]इण वास्तै म्हैं थां
रोम रा रैवासियां नै ई सुभसंदेस रौ उपदेस देवण सारू
त्यार हूं।

[16]म्हैं सुभसंदेस सारू लजखाणौ नीं हूं, क्यूंकै उण
मांय पैली यहूदी अर पछै गैर यहूदी जकौ ई उणमें
भरोसौ करै—उणरै उद्धार सारू परमेसर समरथ है।
[17]क्यूंकै सुभसंदेस में औ दरसाईज्यौ है, परमेसर
मिनख नै आपरै पेटै सई कियां बणावै। औ आद सूं
अंत तांई भरोसै माथै ई टिक्योड़ौ है, जियां कै सास्त्र में
लिख्योड़ौ है, "धरमी मिनख विस्वास सूं इज जींवतौ
रैवैला।"

पाप सगळा कर्‌यौ है

[18]जका सत्य नै अधरम सूं दबावै, वां लोगां माथै वांरै
माड़ा करमां अर हरेक बुरायी माथै सुरग सूं परमेसर
रौ कोप प्रगट होसी। [19]अर अैड़ौ व्है रैयौ है, क्यूंकै
परमेसर बाबत वै आछी तरै जाणै है, क्यूंकै परमेसर
वांनै औ बतायौ है।

[20]जद सूं संसार री सिरजणा होयी उणरी अदीठ
विसेसतावां अणंत सगती अर परमेसर रौ आपौ
सफींटवा दीसै है क्यूंकै वां चीजां सूं वै आछी तरै
ओळखीज सकै, जकी परमेसर रची है। इण वास्तै
लोगां कनै इणरौ कोई ओळावौ कोनी।

[21]हालांके वै परमेसर नै जाणै है पण वै उणनै
परमेसर रै रूप सन्मान अर धिनवाद नीं देवै। बल्कै वै
तौ आपरै विचारां मांय ई बिरथा होयग्या। अर वांरा
जड़ मन अंधारै सूं भरीजग्या है। [22]वै बुद्धिवांन होवण
रौ दावौ कर'र ई मूरख रैयग्या। [23]अर अविणासी
परमेसर री महिमा नै नासवान मिनखां, चिड़कल्यां,

पसुवां अर सांपां सूं रळती-मिळती मूरत्यां में वां लोगां ढाळ दियौ।

24इण वास्तै परमेसर वांनै मन री माड़ी इंछावां रै हाथां सूंप दिया। वै दुराचार में पड़'र अेक-दूजै रै सरीरां रौ अनादर करण लागग्या। **25**वै कूड़ रै सागै परमेसर रै साच रौ सौदौ कर लियौ अर वै स्रिस्टी रा सिरजणहार नै छोड'र उणरी बणायोड़ी स्रिस्टी री टैल-चाकरी में लागग्या। पण परमेसर धिन है। आमीन।

26इण वास्तै परमेसर वांनै तुस वासनावां रै हाथां सूंप दिया। वांरी लुगायां सुभाविक यौन सगपणां री ठौड़ असुभाविक यौन सगपण राखण लागगी। **27**इणी भांत मिनख ई लुगायां रै सागै सुभाविक संभोग छोड दियौ अर वै आपसरी में इज वासना री अगन मांय बळण लागग्या। अर मिनख आपसरी में अेक-दूजै रै सागै भूंडा काम करण लागग्या। वांनै आपरै भिस्टाचार रौ कुफळ ई मिळण लागग्यौ।

28अर क्यूंकै वां परमेसर नै ओळखण सूं मना कर दियौ इण वास्तै परमेसर वांनै कुबुध रै हाथां सूंप दिया। अर अै अेड़ा ऊंधा काम करण लागग्या जका नीं करणा चाईजता। **29**वै हर तरै रै अधरम, पाप, लाळच अर बैर भाव सूं भरीजग्या। वै ईढ, हत्या, राड़-टंटा, छळ-छदम अर कुभावना सूं भरीज्योड़ा है। वै हमेसा दूजां रौ अहित सोचै। वै कथावां घड़ता रैवै। **30**वै परनिंदा करै अर परमेसर सूं घिरणा। वै बोछरड़ा है, घमंडी है अर बड़कां बोला है, भूंडायी रा जलमदाता है अर आपरै माईतां री आग्या ई नीं मानै। **31**वै गिंवार, वचन तोड़णिया, हेतविहूण अर निरदै है। **32**भलांई वै परमेसर रै धरम री विधि नै जाणता होवै, जकी आ बतावै है कै वै मरणजोगा है, फेरूं ई वै नीं फगत वां कामां नै करै, बल्कै ऊंधा काम करणियां रौ सागौ ई देवै।

थे लोग ई पापी हौ

2 **1**सो, न्याव करण वाळा म्हारा मित्र, चायै थूं कोई क्यूं नीं होवै, थारै कनै कोई ओळावौ नीं है। क्यूंकै जिण बात सारू थूं किणी दूजै नै दोसी ठैरावै, उणी सूं थूं अपणै आपनै ई अपराधी सिद्ध करै है। क्यूंकै थूं जका करमां रौ न्याय करै वै करम थूं खुद ई करै। **2**अबै म्हे तौ जाणां हां कै जका लोग अेड़ा काम करै वांनै तौ परमेसर रै दंड रौ भागी बणणौ ई है। **3**पण हे म्हारा मित्र, कांई थूं इण बात नै ई कदैई सोचै है कै थूं जका कामां सारू दूजां नै अपराधी ठैरावै है अर खुद ई वैड़ा काम करै, तौ कांई थूं परमेसर रै न्याय सूं बच जावैला। **4**कै थूं उणरी महती किरपा, सहन अर धीरज नै हीण समझै है? अर इण बात री गिनर नीं करै कै उणरी करुणा थनै पछतावै कांनी ले जावै है।

5पण आपरी करड़ाई अर कदैई पछतावौ नीं करण वाळै मन रै कारण थूं उणरी रीस नै उण दिन सारू भेळी करै है जद परमेसर रौ साचौ न्याय प्रगट होवैला। **6**परमेसर हरेक नै उणरै करमां रौ फळ जरूर देवै। **7**जका लगोलग आछौ काम करता थकां महिमा, आव-आदर अर अमरता री सोय में है, वांनै वौ बदळै में अणंत जीवण देवैला। **8**पण जका आपरै स्वारथ रै वसु साच रै मारग नीं चाल'र अधरम रौ मारग पकड़ै वांनै बदळै में उणरी रीस अर खीझ-खींव मिळैला। **9**हरेक उण मिनख माथै दुख अर संकट आवैला जका ऊंधै मारग चालै। पैलां यहूदी अर पछै गैर यहूदी माथै। **10**अर जकौ भलेरौ काम कर रैयौ है उणनै महिमा, आव-आदर अर सांति मिळसी। पैलां यहूदी नै अर पछै गैर यहूदी नै **11**क्यूंकै परमेसर किणी रौ पख नीं लेवै।

12जका वैवस्था नै जाण्यां बिना पाप कर्‌या है, वै वैवस्था रै बारै रैवता थकां ई खतम व्है जावैला। अर जका वैवस्था में रैवता थकां पाप कर्‌या वांनै वैवस्था मुजब ई दंड मिळैला। **13**क्यूंकै वै जका फगत वैवस्था री कथा सुणै, परमेसर री दीठ में धरमी नीं है। धरमी तौ वै इज ठैराया जावैला, जका वैवस्था माथै चालै।

14इण वास्तै जद गैर यहूदी लोग जिणां रै कनै वैवस्था नीं है, आपरै सुभाव सूं इज वैवस्था री बातां माथै चालै, तौ भलांई वांरै कनै वैवस्था मत होवौ, वै आपरी वैवस्था खुद है। **15**वै आपरै मन माथै मंड्योड़ै वैवस्था रै करमां नै दिखावै। वांरौ विवेक ई इण बात रौ साखीधर है अर वांरी मनगत री घाण-मथाण वांनै अपराधी बतावै कै निरदोस कैवै।

16अै बातां उण दिन होवैला जद परमेसर मिनख री गुप्ताऊ बातां रौ, जिणां रौ म्हैं उपदेस देऊं हूं उण सुभसंदेस रै मुजब यीशु मसीह रै मार्फत न्याय करैला।

यहूदी अर वैवस्था

17पण जे थूं खुद नै यहूदी कैवै है अर वैवस्था माथै थारौ भरोसौ है अर थारै परमेसर रौ थनै गुमेज है **18**अर थूं उणरी इंछा नै जाणै है अर आछी बातां नै अंगेजै,

क्यूंकै वैवस्था सूं थनै सिखाईज्यौ है, 19थूं औ मानै है कै थूं आंधां रौ आगीवांण है, जका अंधारै मांय भटकै वां सारू थूं उजास है, 20अबोध लोगां नै मारग बतावणियौ है, टाबरां रौ उपदेसक है क्यूंकै वैवस्था में थनै सांपड़तै ग्यान अर साच आछी तरै ठाह है, 21तौ थूं जकौ दूजां नै सिखावै, खुद नै क्यूं नीं सिखावै? थूं जकी चोरी नीं करण रौ उपदेस देवै, खुद चोरी क्यूं करै? 22थूं कैवै कै व्यभिचार नीं करणौ चाईजै, तौ पछै खुद व्यभिचार क्यूं करै? थूं मूरत्यां सूं घिरणा करै, तौ पछै मिंदर मांयलौ धन क्यूं खोसै? 23थूं तौ खुद वैवस्था माथै गुमेज करै, पछै वैवस्था तोड़'र परमेसर रौ निरादर क्यूं करै? 24"थांरै कारण इज गैर यहूदियां मांय परमेसर रै नांव रौ अपमान होवै है?" जैड़ौ कै शास्त्र मांय लिख्योड़ौ है।

25जे थे वैवस्था नै मानौ जणै इज तौ खतनै रौ महत्त्व है, पण जे थे वैवस्था नै तोड़ौ, तौ थांरौ खतनौ बिरथा है। 26जे किणी रौ खतनौ नीं होयौ, पण वौ वैवस्था रा अबोट नेमां माथै चालै तौ कांई वौ खतना विहूण होवता थकां ई उणरौ खतनौ नीं मान्यौ जावै? 27वौ मिनख जिणरौ सरीर सूं खतनौ नीं होयौ पण वैवस्था नै बरोबर मानतौ चालै, तौ वौ थनै अपराधी ठैरावैला। जकै कनै लिखित वैवस्था रौ विधान है, अर जिणरौ खतनौ ई होयौ है, अर पछै ई वौ वैवस्था नै तोड़ै, 28तौ वौ बारै सूं यहूदी है पण वास्तव में यहूदी नीं है। सरीर रौ खतनौ साचौ खतनौ नीं है। 29साचौ यहूदी तौ वौ है जकौ अंतस सूं यहूदी है। साचौ खतनौ आतमा सूं मन रौ खतनौ है, नीं कै लिखत री वैवस्था रौ। अैड़ै आदमी री सरावणा मिनख नीं बल्कै परमेसर करया करै।

3 1इण वास्तै यहूदी होवण रौ कांई लाभ कै खतनै रौ कांई मोल? 2हरैक तरै सूं भोत कीं। क्यूंकै सै सूं पैलां परमेसर रौ उपदेस तौ वांनै इज सूंपीज्यौ है। 3जे वां मांय सूं कीं विस्वासघाती ई होयग्या तौ कांई फरक पड़ै? कांई वांरौ विस्वासघात परमेसर रै अखी भरोसै नै मेट देवैला? 4कदैई नीं, जे हरेक कोई कूड़ौ है तौ ई परमेसर साचौ ठैरैला। जियां कै शास्त्र मांय लिख्योड़ौ है :

"ताकि जद थूं कैवै, थूं सई साबत होवै
अर जद थारौ न्याय होवै, थूं जीतै।"
भजन संहिता 51:4

5इण वास्तै जे आपां री अधारमिकता परमेसर री धारमिकता सिद्ध करै तौ आपां कांई कैवां? कांई औ कैवां कै वौ आपरौ कोप म्हां माथै प्रगट कर'र अन्याय नीं करै? (म्हैं अेक मिनख रै रूप में म्हारी बात कैऊं हूं।) 6कदैई नीं, नींतर पछै वौ जगत रै न्याय रौ निवेड़ौ कियां करैला।

7पण थे कैय सकौ हौ: "जद म्हारै कूड़ सूं परमेसर रौ साच औरूं इधकौ उजागर होवै है तौ इणसूं उणरी महिमा इज होवै, फेरूं ई म्हैं दोखी करार क्यूं दिरीजूं?" 8अर पछै क्यूं नीं कैवै: "आवौ! भूंडा काम करां ताकि भलाई प्रगट होवै।" जियां कै म्हांरै बारै में निंदा करता थकां कीं लोग म्हां माथै तूमत लगावै है कै म्हे अैड़ौ करां हां। पण अैड़ा लोग दोसी करार दिरीजण जोगा है। वै सगळा दोसी है।

कोई धरमी कोनी

9तौ पछै म्हे कांई कैवां? कांई म्हे यहूदी, गैर यहूदियां सूं किणी भांत आछा हां? नीं, बिल्कुल नीं। क्यूंकै म्हे औ दरसाय चुक्या हां कै चायै यहूदी होवै, चायै गैर यहूदी, सगळा पाप रै वस मांय है। 10शास्त्र कैवै :

"कोई धरमी कोनी, अेक ई!
11 कोई समझणौ कोनी, अेक ई!
कोई अैड़ौ कोनी, जकौ प्रभु नै जोवै!
12 सगळा भटकग्या,
वै सगळा ई निकांमा बणग्या,
सागै ई सगळा रा सगळा, कोई पण अठै दया
तौ दिखावै कोनी, अेक ई नीं!"
भजन संहिता 14:1-3

13 "वांरा मूंडा खुली कबर सूं बण्योड़ा है,
वै आपरी जीभ सूं छळ करै।"
भजन संहिता 5:9

"वांरै होठां माथै सांप रौ ज्हैर रैवै।"
भजन संहिता 140:3

14 "स्राप सूं कड़वापणै सूं मूंडा भर्‌योड़ा रैवै।"
भजन संहिता 10:7

15 "हत्या करण सारू वै हर बगत उतावळा रैवै।

16 "वै जठै कठैई जावै विणास ई करै, दुख देवै।
17 वांने सांति रै मारग रौ ठा-ठिकाणौ कोनी।"

यशायाह 59:7-8

18 "वांरी आंख्यां मांय प्रभु रौ डर-भौ कोनी।"

भजन संहिता 36:1

19अबै म्हे औ जाणां हां कै वैवस्था मांय जकौ कीं कैयीज्यौ है, वौ वांने संबोधित है जका वैवस्था रा ओयाळ है। जिणसूं कै हरेक मूंडै नै बंद करयौ जाय सकै अर आखौ जगत परमेसर रै दंडजोग ठैरै। 20वैवस्था रा कामां सूं कोई आदमी परमेसर रै सांम्ही धरमी सिद्ध नीं व्है सकै। क्यूंकै वैवस्था सूं जकौ कीं मिळै, वौ है पाप री पिछाण करणौ।

परमेसर मिनखां नै धरमी कियां बणावै

21पण अबै साच्याणी मिनख खातर औ दरसाईज्यौ है कै परमेसर वैवस्था रै बिना ई उणनै आपरै पेटै सावळ कियां बणावै। पक्कांयत वैवस्था अर नबियां इणरी साख भरी है। 22सगळा भरोसौ करणियां सारू यीशु मसीह में भरोसै सूं इज परमेसर री धारमिकता प्रगट करीजी है, बिना किणी पखपात रै। 23क्यूंकै पाप सगळां कर राख्या है अर सगळा परमेसर री महिमा सूं विहूण है। 24पण यीशु मसीह माथै करीजी किरपा रै छुटकारै सूं अर उणरी किरपा सूं वै अेक सांपड़तै उपहार रै रूप में धरमी ठैराईज्या है। 25परमेसर, आप माथै भरोसौ करण अर पापां सूं छुटकारौ दिरावण सारू लोगां नै यीशु मसीह दियौ। वौ औ काम यीशु मसीह रै बळिदान रै रूप में करयौ। अैड़ौ औ प्रमाणित करण सारू करीज्यौ कै परमेसर सहनसील है, क्यूंकै वौ पैलां वांने वांरै पापां रौ दंड दियां बिना छोड दिया हा। 26आज ई आपरौ न्याय दरसावण सारू वौ न्यायवान है अर न्याय करणियौ ई है, वांरौ, जका कै यीशु मसीह में भरोसौ करै।

27तौ पछै घमंड करणौ कठै रैयौ? वौ तौ खतम होयग्यौ। औ कियां होयौ? कांई उण विधि सूं जिणमें वैवस्था जिण कामां री चावना राखै, वांने करीजै? नीं, बल्कै उण विधि सूं जिण मांय भरोसौ समायोड़ौ है। 28कोई आदमी वैवस्था रै कामां मुजब चाल'र नीं बल्कै भरोसौ कर'र ई धरमी बण सकै। 29कै पछै परमेसर खाली यहूदियां रौ है? कांई वौ गैर यहूदियां रौ कोनी? हां, वौ गैर यहूदियां रौ ई है। 30क्यूंकै परमेसर अेक है। वौ इज वांने जकां रौ वांरै भरोसै रै औसार माथै खतनौ होयौ है, अर वांने जकां रौ खतनौ नीं होयौ है, उणी'ज भरोसै माथै धरमी ठैरावैला। 31तौ कांई, म्हे भरोसै रै आधार माथै वैवस्था नै बिरथा ठैरावां हां? कदैई नीं। बल्कै म्हे तौ वैवस्था नै घणी सबळ बणावण में लाग्योड़ां हां।

इब्राहीम रौ दाखलौ

4 1तौ पछै म्हे कांई कैवां कै म्हांरा संसारी पिता इब्राहीम नै इणमें कांई मिळ्यौ? 2क्यूंकै जे इब्राहीम नै उणरै कामां रै कारण धरमी ठैराईजै तौ आ गुमेज करण री बात ही। पण परमेसर रै सांम्ही वौ गुमेज कर नीं सकै। 3पवित्र. शास्त्र कांई कैवै? "इब्राहीम परमेसर माथै भरोसौ करयौ अर वौ भरोसौ उणरै सारू धारमिक गिणीज्यौ।" [a]

4काम करणियै नै मजूरी देवणौ कोई दान नीं गिणीजै, वौ तौ उणरौ हक है। 5पण जे कोई आदमी काम करण री ठौड़ उण परमेसर माथै भरोसौ करै, जकौ पापी नै ई छोड देवै है, तौ उणरौ औ अखी भरोसौ इज उणरी धारमिकता रौ कारण बण जावै। 6इयां ई दाऊद ई उणनै धिन मानै जिणनै कामां रै आधार बिना ई परमेसर धरमी मानै। वौ जद कैवै है :

7 "धिन है वै जकां रै वैवस्था विहूण कामां नै
माफ करीज्या अर
जकां रै पापां नै ढकीजग्या!
8 धिन है वौ मिनख, जिणरै पापां नै
परमेसर गिणिया ई कोनी!"

भजन संहिता 32:1-2

9जणै कांई आ धिनता खाली वां खातर इज है जिणां रौ खतनौ होयौ है, कै वांरै खातर ई जकां रौ खतनौ नीं होयौ। (हां, औ वां माथै ई लागू होवै, जकां रौ खतनौ कोनी होयौ) क्यूंकै म्हां कैयौ है—इब्राहीम रौ भरोसौ इज उणरै सारू धारमिकता गिणीज्यौ। 10तौ औ कद गिणीज्यौ? जद उणरौ खतनौ होयग्यौ हौ तद

[a] ***4:3*** उद्धरण उत्पत्ति 15:6

कै जद वौ बिना खतनै हौ। नीं, खतनौ होयां पछै नीं बल्कै खतनौ होवण री वेळा सूं पैलां। 11अर पछै अेक निसांण रै रूप में वौ खतनौ करवायौ। जकौ उण भरोसै रै फळसरूप धारमिकता री अेक छाप ही, जकौ वौ उण बगत दरसायौ हौ जद उणरौ खतनौ होयोड़ौ कोनी हौ। इण वास्तै वौ वां सगळां रौ पिता है जका हालांकै बिना खतनै रै है, पण परमेसर माथै भरोसौ करै। (इण वास्तै वै ई धरमी बाजैला।) 12अर वौ वांरौ ई पिता है जकां रौ खतनौ होयौ है पण वै म्हांरै बडेरै इब्राहीम रै भरोसै माथै भरोसौ करै, जकौ कै उण खतनौ होवण सूं पैलां प्रगट कर्‌यौ हौ।

विस्वास अर परमेसर रौ वचन

13इब्राहीम अर उणरै वंसजां नै औ वचन कै वै संसार नै संभाळणिया होवैला, वैवस्था सूं नीं मिळियौ हौ, बल्कै उण धारमिकता सूं मिळ्‌यौ हौ जकी विस्वास सूं ऊपजै। 14जे जका वैवस्था नै मानै, वै जगत रा उत्तराधिकारी है तौ विस्वार रौ कोई अरथ नीं रैवै अर वचन ई बिरथा जावै। 15लोग जद वैवस्था रौ पाळण नीं करै तद परमेसर री रीस रा भागी बणै, पण जठै वैवस्था है ई कोनी बठै किसी वैवस्था तोड़ीजै?

16इण वास्तै सिद्ध है कै परमेसर रौ वचन विस्वास रौ फळ है अर औ अचाचूक ई मिळै। इण भांत उणरौ वचन इब्राहीम रा सगळा वंसजां सारू साव तै है। नीं फगत वां खातर जका वैवस्था नै मानै बल्कै वां सगळां सारू ई जका इब्राहीम री भांत ई भरोसौ राखै। वौ आपां सगळां रौ पिता है। 17शास्त्र बतावै, "म्हैं थनै (इब्राहीम) केई देसां रौ पिता बणायौ।" [a] उण परमेसर री दीठ में वौ इब्राहीम म्हांरौ पिता है, जिण माथै उणरौ भरोसौ है। परमेसर, जकौ कै मर्‌योड़ा नै जींवता करै अर जकौ नीं है, उणनै आपौ देवै।

18मिनखाजूण री सगळी आसावां रै खिलाफ आपरै मन आस संजोयोड़ै इब्राहीम उण माथै भरोसौ कर्‌यौ, इण वास्तै उणरै कैवण मुजब केई देसां रौ पिता बण्यौ। "थारै अणगिण वंजस होवैला।" [b] 19आपरै विस्वास नै बिना डिगूं-पिचूं कर्‌यां अर औ जाणता थकां ई कै उणरी देही सौ बरसां री बूढी मरियल होयगी है अर सारा बांझड़ी है, 20परमेसर रै वचन माथै पूरौ भरोसौ राख्‌यौ। इत्तौ ई नीं, भरोसै नै औरूं पक्कौ करतौ थकौ परमेसर नै महिमा बगसी। 21उणनै अखी भरोसौ हौ कै परमेसर उणनै जकौ वचन दियौ है उणनै पूरौ करण में वौ पूरी तरै समरथ है। 22इण वास्तै, "औ विस्वास उण सारू धारमिकता गिणीज्यौ।" [c] 23शास्त्र रौ औ वचन कै विस्वास उण सारू धारमिक गिणीज्यौ, नीं फगत उणरै सारू इज है, 24बल्कै म्हांरै सारू ई है। परमेसर म्हांरी, जका उणमें भरोसौ राखै, धारमिकता स्वीकार करैला। वौ म्हांरै प्रभु यीशु नै पाछौ जींवतौ कर्‌यौ। 25यीशु, जिणनै म्हांरै पापां सारू मारण नै सूंपीज्यौ अर म्हांनै धरमी बणावण सारू उणनै मर्‌योड़ा मांय सूं पाछौ जींवतौ करीज्यौ।

परमेसर रौ प्रेम

5 1क्यूंकै म्हे म्हांरै विस्वास रै कारण परमेसर सारू धरमी होयग्या हां, इण वास्तै प्रभु यीशु मसीह रै मार्फत म्हांरौ परमेसर सूं मिळाप होयग्यौ है। 2उणी रै भरोसै रै कारण उणरी जिण किरपा में म्हांरी स्थिति है, उण तांई म्हांरी पूग होयगी है। अर म्हे परमेसर री महिमा रौ कोई अंस पावण री आस रौ आणंद लेवां। 3इत्तौ ई नीं, म्हे म्हांरी अबखायां में ई आणंद लेवां हां। क्यूंकै म्हे जाणां हां कै अबखायी धीरज नै जलम देवै। 4अर धीरज सूं परख्‌योड़ौ चरित्र निकळै। परख्‌योड़ौ चरित्र आस नै जलम देवै। 5अर आस म्हांनै कदैई हतआस नीं होवण देवै क्यूंकै पवित्र आतमा कांनी सूं म्हांनै जकौ दिरीज्यौ है, परमेसर रौ प्रेम म्हांरै हियै में ऊंधाईजग्यौ है।

6क्यूंकै म्हे जदकै अबार निबळा इज हा तौ बगतसर म्हां भगती हीणां सारू मसीह आपरौ बळिदान दियौ। 7कीं लोग इज किणी मिनख सारू आपरा प्राण त्यागण नै त्यार व्है जावै, चायै वौ प्रेरित मिनख इज क्यूं नीं होवै। 8पण परमेसर म्हां माथै आपरौ प्रेम दिखायौ। जदकै म्हे तौ पापी ई हा, पण यीशु म्हांरै सारू प्राण त्याग्या।

9क्यूंकै अबै जद म्हे उणरै रगत रै कारण धरमी होयग्या हां तौ अबै वौ म्हांनै परमेसर री रीस सूं जरूर बचाय लेवैला। 10क्यूंकै जद म्हे उण रा बैरी हा तौ वौ आपरी म्रित्यु रै मार्फत परमेसर सूं म्हांरौ मेळ-मिळाप

---

[a] ***4:17*** उद्धरण उत्पत्ति 17:5
[b] ***4:18*** उद्धरण उत्पत्ति 15:5
[c] ***4:22*** उद्धरण उत्पत्ति 15:6

करायौ तौ अबै जद म्हांरौ मेळ-मिळाप होयग्यौ है तौ उणरै जीवण सूं म्हांरी औरूं कित्ती घणी रक्षा होवैला। 11इत्तौ ई नीं, म्हे म्हांरै यीशु रै मार्फत परमेसर री भगती पाय'र अबै उणरौ आणंद लेवां हां।

आदम अर यीशु

12इण वास्तै अेक आदमी (आदम) रै मार्फत जियां धरती माथै पाप आयौ अर पाप सूं म्रित्यु अर इण भांत म्रित्यु सगळा लोगां सारू आयी, क्यूंकै पाप तौ सगळा करया हा। 13अबै देखौ, वैवस्था रै आवण सूं पैलां जगत मांय पाप हौ, पण जद तांई कोई वैवस्था नीं होवै किणी रौ ई पाप नीं गिणीजै। 14पण आदम सूं लेय'र मूसा रै बगत तांई म्रित्यु सगळां माथै राज करती रैयी। म्रित्यु वां माथै बियां ई हावी रैयी जकां पाप कोनी करया हा, जियां आदम माथै।

आदम ई वैड़ौ इज हौ जैड़ौ वौ जकौ (मसीह) आवण वाळौ हौ। 15पण परमेसर रौ वरदान आदम रै अपराध जैड़ौ नीं हौ क्यूंकै जे उण अेक आदमी रै अपराध रै कारण सगळा लोगां री म्रित्यु होयी तौ उण अेक आदमी यीशु मसीह री करुणा रै कारण मिळी परमेसर री किरपा अर वरदान तौ सगळा लोगां री भलाई सारू कित्तौ कीं औरूं बेसी है। 16अर औ वरदान ई उण पापी कांनी सूं लाईज्या परिणाम रै समान नीं है क्यूंकै दंड सारू न्याय रौ आवणौ अेक अपराध पछै इज होयौ हौ। पण औ वरदान, जकौ दोस-मुगती कांनी ले जावै, केई अपराधां रै पछै आयौ हौ। 17इण वास्तै जे अेक आदमी रै उण अपराध रै कारण म्रित्यु रौ राज होयग्यौ, तौ जकौ परमेसर री किरपा अर उणरै वरदान री मोकळायत रौ—जिणमें धरती रौ वास है—उपभोग कर रैया है—वै तौ जीवण मांय उण अेक आदमी यीशु मसीह रै मार्फत औरूं ई इधकौ राज करैला।

18सो, जियां अेक अपराध रै कारण सगळा लोगां नै दोसी ठैराईज्या, बियां ई अेक धरम रै काम सूं सब सारू परिणाम मांय अणंत जीवण देवण वाळी धारमिकता मिळी। 19इण वास्तै जियां उण अेक आदमी रै आग्या नीं मानण सूं सगळा लोग पाप रा भागी बणाईजग्या, बियां ई उण आदमी री आग्याकारिता रै कारण सगळा लोग धरमी भी बणाय दिया जावैला। 20वैवस्था रौ आगमन इण वास्तै होयौ कै अपराध बध सकै। पण जठै पाप बध्यौ, बठै परमेसर री किरपा ई बेसी बधी। 21ताकि जियां म्रित्यु रै मार्फत पाप राज करयौ, ठीक बियां ई म्हांरै प्रभु यीशु मसीह रै मार्फत अणंत जीवण नै लावण सारू परमेसर री किरपा धारमिकता रै मार्फत राज करै।

पाप सारू मरयोड़ा पण मसीह में जींवता

6 1तौ पछै म्हे कांई कैवां? कांई आपां पाप इज करता रैवां ताकि परमेसर री किरपा बधती रैवै? 2कदैई नीं। आपां जका पाप सारू मरग्या हां, पाप मांय ई कियां जीवांला? 3कै पछै थे जाणौ कोनी कै म्हे, जकां यीशु मसीह मांय दीक्षा ली है, उणरी म्रित्यु री ई दीक्षा लीनी है। 4इण वास्तै उणरी म्रित्यु में दीक्षा लेवण सूं म्हे ई उणरै सागै इज गाडीजग्या हा ताकि जियां परमपिता री महिमावान सगती सूं यीशु मसीह नै मरयोड़ां मांय सूं जींवतौ करीजग्यौ हौ, बियां ई म्हे ई अेक नूंवौ जीवण पावां।

5क्यूंकै जद म्हे उणरी म्रित्यु में उणरै सागै रैया हां तौ उणरै जैड़ा पाछै उत्थान में ई उणरै सागै रैवांला। 6म्हे औ जाणां हां कै म्हांरौ पुराणौ व्यक्तित्व यीशु रै सागै इज क्रूस माथै चढाईजग्यौ हौ ताकि पाप सूं भरयोड़ा म्हांरा सरीर खतम व्है जावै। अर म्हे आगै सारू पाप रा दास बण्योड़ा नीं रैवां। 7क्यूंकै जकौ मरग्यौ वौ पाप रै बंधण सूं छूटकौ पायग्यौ।

8अर क्यूंकै म्हे मसीह रै सागै मरग्या, इण वास्तै म्हांनै भरोसौ है कै म्हें उणरै सागै जीवांला ई। 9म्हे जाणां हां कै मसीह, जिणनै मरयोड़ां मांय सूं जींवतौ करीज्यौ हौ, अमर है। उण माथै म्रित्यु रौ वस कदैई नीं चालैला। 10जकी मौत वौ मरयौ है, वौ हमेस सारू पाप खातर मरयौ है, पण जकौ जीवण वौ जीवै है, वौ जीवण परमेसर सारू है। 11इणी भांत थे थांरै वास्तै ई सोचौ कै थे पाप सारू मर चुक्या हौ, पण यीशु मसीह मांय परमेसर सारू जींवता हौ।

12इण वास्तै थांरै नासवान सरीरां माथै पाप रौ वस नीं चालै। ताकि थे पाप री इंछावां सूं कदैई नीं चालौ। 13आपरै सरीर रा अंगां नै अधरम री सेवा सारू पाप रै हस्तु मत करौ बल्कै मरयोड़ा मांय सूं जी उठण वाळां रै ज्यूं उणनै परमेसर नै सूंप दौ। अर आपरै सरीर रा अंगां नै धारमिकता री सेवा रै साधन रै रूप मांय परमेसर नै सूंप देवौ। 14थांरै माथै पाप रौ राज नीं होवैला क्यूंकै थे वैवस्था रै सायरै नीं जीवौ बल्कै परमेसर री किरपा सूं जीवौ हौ।

धारमिकता रा सेवक

15तौ आपां कांई करां? कांई आपां पाप करां? क्यूंकै
आपां वैवस्था रै आधीन नीं, बल्कै परमेसर री किरपा
रै आधीन जीवां हां। कदैई नीं। 16कांई थे नीं जाणौ
कै जद थे किणी री आग्या मानण सारू अपणै आपनै
उणनै दास रै रूप में सूंपौ हौ तौ थे दास हौ। पछै भलांई
थे पाप रा दास बणौ, जकौ थांनै मार नांखसी अर चायै
आग्या मानण रा दास बणौ, जकी थांनै धारमिकता
कांनी लेय जावैला। 17पण प्रभु नै धिन है कै हालांकै
थे पाप रा दास हा, थे आपरै मन सूं वां उपदेसां री
रीति नै मानी जका थांनै सूंपीज्या हा। 18थांनै पापां सूं
छूटकौ मिळग्यौ अर थे धारमिकता रा सेवक बणग्या
हौ। 19(म्हैं अेक दाखलौ देय रैयौ हूं जिणसूं कै सगळा
लोग समझ सकै, क्यूंकै उणनै समझणौ थां लोगां सारू
अबखौ है।) क्यूंकै थे थांरै सरीर रा अंगां नै अपवित्रता
अर वैवस्था विहूणता रै आगै वांरै दास रै रूप में सूंप
दिया हा, जिणसूं वैवस्था में हीणता होयी। अबै थे
लोग ठीक बियां ई थांरै सरीर रा अंगां नै दास रै रूप में
धारमिकता नै सूंप दौ, ताकि आवगौ समरपण जलमै।
20क्यूंकै जद थे पाप रा दास हा तौ धारमिकता
कांनी सूं थांरै माथै कोई बंधण कोनी हौ। 21अर देखौ,
उण बगत थांनै कैड़ौ फळ मिळ्यौ? जिणरै सारू आज
थे लजखाणा हौ, जिणरौ छेहलौ फळ म्रित्यु है। 22पण
अबै थांनै पापां सूं छूटकौ मिळग्यौ है अर परमेसर रा
दास बणाईजग्या हौ तौ जकी खेती थे काटौ हौ, थांनै
परमेसर रै पेटै आवगै समरपण मांय लेय जावैला।
जिणरौ छेहलौ फळ है—अणंत जीवण। 23क्यूंकै पाप
रौ मोल तौ फगत म्रित्यु इज है जदकै म्हांरै प्रभु यीशु
मसीह में अणंत जीवण, परमेसर रौ सांपड़तै वरदान है।

ब्यांव रौ दिस्टांत

7 1हे भायां, कांई थे नीं जाणौ (म्हैं वां लोगां सूं
कैऊं हूं जका वैवस्था नै जाणै है) कै वैवस्था
रौ राज मिनख माथै तद तांईज है जद तांई वौ जींवतौ
है? 2दाखलै सरूप अेक परण्योड़ी लुगाई आपरै धणी
रै सागै विधान मुजब तद तांईज बंध्योड़ी है जद तांई वौ
जींवतौ है। पण जे उणरौ धणी मर जावै, तौ वौ ब्यांव
वाळा नेमां सूं छूट जावै। 3धणी रै जींवतां जे बा किणी
परायै पुरुस सूं सगपण जोड़ै तौ उणनै व्यभिचारणी
कैईजै, पण जे उणरौ धणी मर जावै तौ ब्यांव रा नेम
उण माथै नीं लागै अर इण वास्तै जे वा दूजै मिनख री
व्है जावै तौ ई वा व्यभिचारणी नीं बाजै।

4हे म्हारा भायां, इयां ई मसीह री देही रै मार्फत
वैवस्था सारू थे ई मर चुक्या हौ। इण वास्तै अबै थे
ई किणी दूजै सूं नातौ जोड़ सकौ हौ। उणसूं जिणनै
मर्‌योड़ां मांय सूं पाछौ जींवतौ करीज्यौ है। ताकि
आपां परमेसर सारू करमां री आछी खेती पका
सकां। 5क्यूंकै जद आपां मानव सुभाव रै मुजब जीवै
हा, आपां री पाप वाळी वासनावां जकी वैवस्था
रै मार्फत आयी ही, आपां रै अंगां माथै हावी ही।
ताकि आपां करमां री अैड़ी खेती करां जिणरौ
अंत म्रित्यु में होवै। 6पण अबै आपां नै वैवस्था सूं
छुटकारौ दिरीज्यौ है क्यूंकै जिण वैवस्था रै हेठळ
आपां नै बंदी बणाईज्योड़ौ हौ, आपां उणरै खातर
मर चुक्या हा। अर अबै आपां जूनी लिखत वाळी
वैवस्था सूं नीं, बल्कै आतमा री नूंवी रीति सूं प्रेरित
होय'र आपां आपां रै स्वामी परमेसर री सेवा करां
हां।

पाप सूं राड़

7तौ पछै म्हे कांई कैवां? कांई म्हे कैवां कै वैवस्था
पाप है? कदैई नीं। जकौ कीं होवौ, जे वैवस्था नीं
होवती तौ म्हैं पिछाण ई नीं सकतौ कै पाप कांई है?
जे वैवस्था नीं बतावती, "जकौ गळत है उणरी चावना
मत करौ।" तौ पक्कांयत म्हैं नीं जाण सकतौ हौ कै
गळत चावना कांई है। 8पण पाप, मौकौ मिळतां ई
वैवस्था रौ लाभ उठावतौ थकौ म्हारै मांय हर तरै री
अैड़ी चावनावां भर दी जकी गळत काम सारू ही।
वैवस्था रै अभाव मांय पाप तौ मरग्यौ। 9अेक समै म्हैं
बिना वैवस्था रै ई जींवतौ हौ, पण जद वैवस्था रौ
आदेस आयौ तौ पाप जीवण में उभरग्यौ। 10अर म्हैं
मरग्यौ। वौ इज वैवस्था रौ आदेस जकौ जीवण देवण
सारू हौ, म्हारै वास्तै म्रित्यु लेय आयौ। 11क्यूंकै पाप नै
मौकौ मिळग्यौ अर वौ उणी वैवस्था रै आदेस सूं म्हनै
छळ्यौ अर उणी रै मार्फत म्हनै मार नांख्यौ।

12इण तरै वैवस्था पवित्र है अर वौ विधान पवित्र,
धरमी अर सिरै है। 13तौ जणै इणरौ कांई औ अरथ है कै
जकौ उत्तम है, वौ इज म्हारी म्रित्यु रौ कारण बण्यौ?
कदैई नीं। बल्कै पाप उण उत्तम रै मार्फत म्हारै सारू
म्रित्यु रौ इण वास्तै कारण बण्यौ कै पाप नै पिछाण्यौ

जाय सकै। अर वैवस्था रै विधान रै मार्फत उणरी भयानक पाप-लीला दिखायी जाय सकै।

मन री घाण-मथाण

14क्यूंकै म्हे जाणां हां कै वैवस्था तौ आत्माऊ है अर म्हैं हाड-मास रौ भौतिक मिनख हूं जकौ पाप री चाकरी सारू बिक्योड़ौ है। 15म्हैं नीं जाणूं कै म्हैं कांई कर रैयौ हूं, क्यूंकै म्हैं जकौ करणौ चाऊं हूं, करूं कोनी, बल्कै म्हनै वौ माडाणी करणौ पड़ै, जिणसूं कै म्हैं घिरणा करूं हूं। 16अर जे म्हैं वौ इज करूं हूं जकौ म्हैं नीं करणौ चाऊं, तौ म्हैं स्वीकार करूं हूं कै वैवस्था सै सूं सिरै है। 17पण हकीगत में वौ म्हैं नीं हूं जकौ औ सो-कीं कर रैयौ है, बल्कै औ म्हारै मांय बस्योड़ौ पाप है। 18हां, म्हैं जाणूं हूं कै म्हारै मांय, मतळब कै म्हारै भौतिक मिनखा सरीर मांय किणी आछी चीज रौ वासौ कोनी। नेकी करण री इंछा तौ म्हारै मांय है पण नेक काम म्हासूं होवै कोनी। 19क्यूंकै जकौ आछौ काम म्हैं करणौ चाऊं हूं, म्हैं नीं करूं बल्कै जकौ म्हैं नीं करणौ चाऊं, वै इज माड़ा काम म्हैं करूं हूं। 20अर जे म्हैं वै इज काम करूं हूं जका कै म्हैं करणा नीं चाऊं तौ हकीगत में वांरौ कर्ता जकौ वांनै कर रैयौ है, म्हैं कोनी, बल्कै वौ पाप है जकौ म्हारै मांय बस्योड़ौ है।

21इण वास्तै म्हैं म्हारै मांय औ नेम पाऊं हूं कै म्हैं जद आछौ करणौ चाऊं हूं, तौ म्हारै मांय बुराई नै इज मैसूसूं। 22आपरी अंतरात्मा मांय म्हैं परमेसर री वैवस्था नै घणैमान मानूं हूं। 23पण खुद रै सरीर मांय म्हैं अेक दूजै इज नेम नै काम करतौ देखूं हूं। औ म्हारै चिंतन माथै राज करण वाळी वैवस्था सूं जुद्ध करै अर म्हनै पाप री वैवस्था रौ बंधाणी बणाय लेवै। आ वैवस्था म्हारै सरीर मांय क्रियासील है। 24म्हैं अेक अभागौ आदमी हूं। म्हनै इण सरीर सूं, जकौ म्रित्यु रौ कवौ है, छुटकारौ कुण दिरावैला? 25म्हारै प्रभु यीशु मसीह रै मार्फत म्हैं परमेसर नै धिनवाद देऊं हूं। इण वास्तै म्हारै हाड-मास रै सरीर सूं म्हैं वैवस्था रौ गुलाम होवता थकां ई आपरी बुद्धि सूं परमेसर री वैवस्था रौ चाकर हूं।

आतमा सूं जीवण

8 1इण भांत अबै वांरै सारू जका यीशु मसीह मांय रैवै, कोई दंड कोनी। क्यूंकै वै सरीर मुजब नीं, आतमा मुजब चालै।[a] 2क्यूंकै आतमा री वैवस्था, जकी यीशु मसीह में जीवण देवै, थनै पाप री वैवस्था सूं जकी म्रित्यु कांनी लेय जावै, आजाद कर दियौ है।[b] 3जिणनै मूसा री वा वैवस्था जकी मिनख रै भौतिक सुभाव रै कारण निबळी बणाईजगी ही, नीं कर सकी उणनै परमेसर आपरै पूत नै आपां रै सरीखै ई सरीर मांय भेज'र जिणसूं आपां पाप करां—उणरी भौतिक देह नै पाप वाळी बणा'र पाप नै निरस्त कर'र पूरौ करयौ। 4जिणसूं कै आपां कांनी सूं, जका देही री भौतिक विधि सूं नीं, बल्कै आतमा री विधि सूं जीवै है, वैवस्था री जरूरतां पूरी करी जाय सकै।

5क्यूंकै वै जका आपरै भौतिक मिनख सुभाव मुजब जीवै है, वांरी बुद्धि मिनख सुभाव री इंछावां माथै टिक्योड़ी रैवै, पण वै जका आतमा रै मुजब जीवै, वांरी बुद्धि जियां आतमा चावै वां इंछावां में लाग्योड़ी रैवै। 6भौतिक मिनख सुभाव रै वसु रैवण वाळै मन रौ अंत म्रित्यु है, पण आतमा रै वस में रैवण वाळी बुद्धि रौ फळ है—जीवण अर सांति। 7इण भांत भौतिक मिनख सुभाव रै आंकस वाळौ मन परमेसर रौ विरोधी है। क्यूंकै वौ ना तौ परमेसर रै नेमां रै आधीन है अर ना ई होय सकै। 8अर वै जका भौतिक मिनख सुभाव मुजब जीवै, परमेसर नै राजी नीं कर सकै।

9पण थे लोग भौतिक मिनख सुभाव रा ओयाळ कोनी, बल्कै आतमा रा ओयाळ हौ, जे साच्याणी थांरै मांय परमेसर री आतमा रौ वासौ है। पण जे किणी में यीशु मसीह री आतमा नीं है तौ वौ मसीह रौ कोनी। 10दूजै कांनी जे थांरै मांय मसीह है तौ भलांई थांरी देही पाप रै सारू मरगी है, पवित्र आतमा परमेसर रै सागै थांनै धारमिक ठैराय'र खुद थांरौ जीवण बण जावै है। 11अर जे वा आतमा, जकी यीशु नै मरयोड़ां मांय सूं जींवतौ करयौ हौ, थांरै मांय वास करै है तौ वौ परमेसर जकौ यीशु नै मरयोड़ा मांय सूं जीवायौ हौ, थांरै नासवान सरीरां नै आपरी आतमा सूं जीवण देवैला, जकी कै थांरै मांय इज बसै है।

12इण वास्तै म्हारा भायां, आपां माथै इण भौतिक सरीर रौ करजौ तौ है, पण अैड़ी बात नीं है कै आपां इणरै मुजब जीवां। 13क्यूंकै जे थे भौतिक सरीर मुजब

---

[a] ***8:1 क्यूंकै ... चालै*** कीं यूनानी पड़तां मांय औ भाग जोड़ीज्यौ है।

[b] ***8:2 थनै*** कीं यूनानी पड़तां मांय है "म्हनै"

जीवोला तौ मरोला। पण जे थे आतमा रै मार्फत सरीर रै वैवारां रौ खातमौ कर देवोला तौ थे जी जावोला।

14जका परमेसर री आतमा मुजब चालै, वै परमेसर री संतान है। **15**क्यूंकै वा आतमा जकी थांनै मिळी है, थांनै पाछा दास बणावण कै डरावण सारू नीं है, बल्कै वा आतमा जकी थे पायी हौ थांनै परमेसर रै पाळ्योड़ी संतान बणावै। जिणसूं आपां हेलौ करां, "हे अब्बा, हे पिता!" **16**वा पवित्र आतमा खुद आपां री आतमा रै सागै मिळ'र इण बात री साख भरै है कै आपां परमेसर री संतान हां। **17**अर क्यूंकै आपां उणरी संतान हां, आपां ई उत्तराधिकारी हां, परमेसर रा उत्तराधिकारी अर मसीह रै सागै म्हे उत्तराधिकारी जे वास्तव में उणरै सागै दुख उठावै है तौ आपां नै उणरै सागै महिमा मिळैला इज।

म्हांनै महिमा मिळसी

18क्यूंकै म्हारै विचार मांय इण बगत री म्हांरी जातनावां, प्रगट होवण वाळी भावी महिमा रै आगै कीं नीं है। **19**क्यूंकै आ स्रिस्टी घणी आसा सूं उण बगत री बाट जोवै है जद परमेसर री संतान नै प्रगट करीजैला। **20**आ स्रिस्टी निःसार ही, आपरी इंछा सूं नीं बल्कै उणरी इंछा सूं जकौ इणनै इण आस रै आधीन करी **21**कै आ ई कदैई आपरी विणास-मानता सूं छूटकौ पाय'र परमेसर री संतान री सांगोपांग आजादी रौ आणंद लेवैला।

22क्यूंकै म्हे जाणां हां कै आज तांई आखी स्रिस्टी पीड़ में कुरळावती अर तड़फती रैयी है। **23**खाली आ स्रिस्टी ई नीं, म्हे ई जिणां नै आतमा रौ पैलौ फळ मिळ्यौ है, मांय रा मांय कुरळांवता रैया हां। क्यूंकै म्हांनै उणरै कांनी सूं पूरी तरै अपणायत री उडीक है कै म्हांरी देही मुगत व्है जावैला। **24**म्हांरौ उद्धार होयौ है। इणी सूं म्हांरै मन में आस है, पण जद म्हे जिण री आस करां, उणनै देख लेवां तौ पछै वा आस नीं रैवै। जकौ सांम्ही दीखै उणरी आस कुण कर सकै। **25**पण जिणनै आपां देखां कोनी, जे उणरी आस करां तौ धीरज अर थावस रै सागै उणरी बाट जोवां हां।

26इणी भांत जियां आपां कुरळावां, आतमा आपां री निबळायी में सहायता करण नै आवै क्यूंकै आपां नीं जाणां कै आपां किण सारू प्रार्थना करां। पण आतमा खुद अैड़ी सिसक्यां भर'र, जिणनै सबदां में नीं दरसाईज सकै, आपां रै सारू वीणती करै है। **27**पण वौ अंतरजामी जाणै है कै आतमा री मनसा कांई है। क्यूंकै परमेसर री इंछा सूं इज वा परमेसर रै पवित्र लोगां सारू बिचोळकी बणै।

28अर म्हे जाणां हां कै हरेक परिस्थिति मांय वा आतमा परमेसर रै प्रेरितां सागै मिळ'र वै काम करै जिणसूं भलाई होवै—वां सगळां सारू जकां नै उणरै मत्तै मुजब ई बुलाईज्या है। **29**जकां नै वौ पैलां ई टाळ लिया, वांनै पैलां ई आपरै पूत रै रूप में ठैराया जिणसूं कै मोकळै भायां रौ वौ सै सूं बडौ भाई बण सकै। **30**जकां नै वौ पैलां सूं तै कर लिया, वांनै ई वौ बुलाया अर जकां नै वौ बुलाया, वांनै वौ धरमी ठैराया अर जकां नै वौ धरमी ठैराया, वांनै महिमा ई बगसी।

परमेसर रौ प्रेम

31तौ इणनै देख'र म्हैं कांई कैवां? जे परमेसर म्हांरै पख में है तौ म्हांरै विरोध में कुण होय सकै? **32**वौ जकौ आपरै पूत नै बचा'र नीं राख्यौ बल्कै उणनै म्हां सगळां सारू मरण नै सूंप दियौ। वौ भलां म्हांनै उणरै सागै अर सो-कीं क्यूं नीं देवैला? **33**परमेसर रै टाळ्योड़ा लोगां माथै अैड़ौ कुण है जकौ दोस जड़ैला? वौ परमेसर इज है जकौ वांनै निरदोस ठैरावै। **34**अैड़ौ कुण है जकौ वांनै दोसी ठैरावैला? मसीह यीशु वौ है जकौ मरग्यौ (अर इणसूं ई महताऊ बात आ है कै) उणनै पाछौ जींवतौ करीज्यौ। जकौ परमेसर रै जींवणै पासै बैठ्यौ है अर म्हांरी तरफ सूं वीणती ई करै है **35**कुण है जकौ म्हांनै मसीह रै प्रेम सूं अलग करैला? जातना कै अबखायी कै अत्याचार कै अकाळ कै नागापणौ कै जोखम कै तलवार? **36**जियां कै शास्त्र कैवै :

> "थारै (मसीह) सारू आखै दिन म्हांनै म्रित्यु नै सूंपीजै।
> म्हे काटीजण वाळी भेड़ जियां समझ्या जावां हां।" *भजन संहिता 44:22*

37तौ ई उणरै मार्फत, जकौ म्हांसूं प्रेम करै है, आं सगळी बातां मांय म्हे अेक जोरदार जीत हासल कर रैया हां। **38**क्यूंकै म्हैं मान चुक्यौ हूं कै ना म्रित्यु, ना जीवण, ना सुरगदूत अर ना सासण करण वाळी आतमावां, ना वरतमान री कोई वस्तु अर ना भविस

री कोई वस्तु, ना आत्माऊ सगत्यां, 39ना कोई म्हांरै ऊपर रौ ना म्हासूं नीचलौ, ना सिस्टी री कोई दूजी वस्तु म्हांनै प्रभु रै उण प्रेम सूं अलग कर सकै, जकौ म्हांरै मांय प्रभु यीशु मसीह रै सारू है।

परमेसर अर यहूदी लोग

9 1मसीह मांय, म्हैं साची कैऊं हूं। म्हैं कूड़ नीं बोलूं अर म्हारी चेतना जकी पवित्र आतमा सूं उजासित है, म्हारै सागै म्हारी साखी देवै है, 2कै म्हनै गैरौ दुख है अर म्हारै मन मांय लगोलग पीड़ है। 3कदास, म्हैं चाह सकतौ कै आपरै भायां-बैनां अर सांसारिक रिस्तेदारां सारू म्हैं मसीह रौ स्राप म्हारै माथै लेय लेवतौ अर उणसूं निरवाळौ होय जावतौ। 4जका इस्राअेली है अर जकां नै परमेसर री पाळी-पोखी संतान होवण रौ अधिकार है, जका परमेसर री महिमा रा दरसण कर चुक्या है, जका परमेसर रै करार रा भागीदार है। जकां नै मूसा री वैवस्था, साची उपासना अर वचन दिरीज्या है। 5पुरखा वां सूं ई सगपण राखै अर मिनखा सरीर री दीठ सूं मसीह वां में इज जलम्यौ जकौ सगळां रौ परमेसर है अर हमेसा धिन है! आमीन!

6अैड़ौ नीं है कै परमेसर आपरौ वचन पूरौ नीं कर्‌यौ क्यूंकै जका इस्राअेल रा वंसज है, वै सगळा इस्राअेली कोनी। 7अर ना ई इब्राहीम रा वंसज होवण रै कारण वै सगळा साच्चाणी इब्राहीम री संतान है। बल्कै जियां परमेसर कैयौ, "थारा वंसज इसहाक रै मार्फत आपरी बेल बधावैला।" [a] 8इण वास्तै अैड़ौ नीं है कै परकत सूं डीलगत जलम लेवणिया टाबर परमेसर रा वंसज है, बल्कै परमेसर रै वचन सूं प्रेरित होवण वाळा उण रा वंसज मानीजै। 9वचन इण भांत कैवीज्यौ हौ: "ठीक बगत माथै म्हैं बावड़ूंला अर सारा पुत्रवती होवैला।" [b]

10इत्तौ ई नीं, जद रिबका ई अेक आदमी, म्हांरै बडेरा पिता इसहाक सूं जापायती होयी 11तौ बेटां रै जलमण सूं पैलां अर वांरै कीं ई भलौ-भूंडौ करण सूं पैलां कैवीज्यौ हौ, जिणसूं परमेसर री वा चावना सिद्ध होवै जकी चुणाव सूं सिद्ध होवै। 12अर जकौ मिनख रै करमां माथै नीं टिक्योड़ौ बल्कै उण परमेसर माथै टिक्योड़ौ है जकौ बुलावण वाळौ है। रिबका सूं कैवीज्यौ, "बडौ बेटौ छोटकियै बेटै री सेवा करसी।" [c] 13शास्त्र कैवै : "म्हैं याकूब नै टाळ्यौ अर इसाऊ नै नकार दियौ।" [d]

14तौ पछै म्हे कांई कैवां? कांई परमेसर अन्यायी है? 15कदैई नीं! क्यूंकै वौ मूसा सूं कैयौ हौ, "म्हैं जिण किणी माथै दया करण री सोचूंला, दया दिखाऊंला। अर जिण किणी माथै किरपा करणी चाऊंला, करूंला।" [e]

16इण वास्तै ना तौ औ किणी री इंछा माथै निरभर करै अर ना किणी री भाजादौड़ी माथै बल्कै दयालु परमेसर माथै इज निरभर करै। 17क्यूंकै शास्त्र मांय परमेसर, फिरौन सूं कैयौ हौ, "म्हैं थनै इण वास्तै ऊभौ कर्‌यौ हौ कै म्हैं म्हारी सगती थारै मांय दिखाय सकूं। अर म्हारौ नांव आखी धरती माथै घोसित करीजै।" [f] 18इण वास्तै परमेसर जिण माथै चावै, दया करै अर जिणनै चावै, करड़ौ बणाय देवै।

19तौ पछै थूं सायद म्हासूं कैवैला, "जे म्हारै करमां रौ करता-धरता परमेसर है तौ पछै फेरूं ई वौ उण मांय म्हारौ दोस क्यूं समझै?" छेवट उणरी इंछा रौ विरोध कुण कर सकै है? 20मिनख, थूं कुण होवै है जकौ परमेसर सूं सांम्ही मूंडै सवाल-जबाब करै? कांई कोई रचना आपरै रचणहार सूं पूछ सकै है, "थूं म्हनै अैड़ी क्यूं बणायी?" 21कांई किणी कुंभार नै माटी माथै औ अधिकार कोनी कै वौ माटी रै किणी अेक लूंदै सूं अेक बरतण खास काम सारू अर दूजौ भांडौ हीणै काम सारू बणावै?

22पण इणमें कांई बडी बात, जे परमेसर आपरी रीस दिखावण अर आपरी सगती बतावण सारू वां लोगां री, जका रीस रा पात्र हा अर जकां रौ विणास होवण वाळौ हौ, घणै धीरज सागै सहन करी, 23वौ वांरी सहन करी जिणसूं कै वौ वां लोगां रै लाभ सारू जका दया रा पात्र हा अर जकां नै वौ आपरी महिमा पावण सारू बणाया हा, वां माथै आपरी महिमा प्रगट कर सकै। 24मतळब कै आपां नै, जकां नै वौ नीं फगत यहूदियां मांय सूं बुलाया बल्कै गैर यहूदियां मांय सूं ई बुलाया 25जियां कै होशे री पोथी मांय लिख्योड़ौ है :

---

[a] ***9:7*** उद्धरण उत्पत्ति 21:12
[b] ***9:9*** उद्धरण उत्पत्ति 18:10,14
[c] ***9:12*** उद्धरण उत्पत्ति 25:23
[d] ***9:13*** उद्धरण मलाकी 1:2-3
[e] ***9:15*** उद्धरण निर्गमन 33:19
[f] ***9:17*** उद्धरण निर्गमन 9:16

"जका लोग मऱ्या नीं हा
वांनै म्हैं म्हारा कैऊंला।
अर वा लुगाई जकी व्हाली नीं ही
म्हैं उणनै प्रिया कैऊंला।" *होशे 2:23*

26अर,
"वैड़ौ इज घटैला जैड़ौ उणी भाग में वांसूं
कैवीज्यौ हौ,
'थे लोग म्हारी प्रजा कोनी।'
बठै इज वै जींवतै परमेसर री संतान बाजैला।"
होशे 1:10

27अर यशायाह इस्राअेल बाबत हाकौ कर'र कैवै :

"हालांकै अेस्राअेल री संतान समदर री बेकळू रै
कणूकां री भांत अणगिण है।
तौ ई वां मांय सूं थोड़ा'क ई बचैला।
28 क्यूंकै प्रभु धरती माथै आपरै न्याय नै पूरी तरै सूं
अर बेगौ ई पूरैला।" *यशायाह 10:22-23*

29अर जैड़ी कै यशायाह भविसवाणी करी ही :

"जे सरब सगतीवान प्रभु म्हांरै सारू,
वंसज नीं छोडतौ
तौ म्हे सदोम जियां
अर अरोमा जियां ई व्है जावता।"
यशायाह 1:9

30अबै बतावौ म्हे कांई कैवां? म्हे इण नतीजै माथै पूग्यां हां कै दूजी जातियां रा लोग जका धारमिकता री खोज में नीं हा, वै धारमिकता हासल करली? वै जका विस्वास रै कारण इज धारमिक ठैराईज्या। **31**पण इस्राअेल रा लोगां, जका अैड़ी वैवस्था माथै चालणौ चावै हा जकी वांनै धारमिक ठैरावै, उणरै मुजब नीं जी सक्या। **32**क्यूं नीं? क्यूंकै वै इणरौ पाळण भरोसै सूं नीं, बल्कै आपरै करमां सूं करै हा। वै उण चट्टाण माथै ठोकर खायग्या, जकी ठोकर देवै। **33**जियां कै शास्त्र कैवै :

"देखौ, म्हैं सिय्योन मांय अेक भाठौ राखूं हूं,
जकौ ठोकर खुवावै
अर अेक चट्टाण जकी अपराध करावै।
पण वौ जकौ उण माथै भरोसौ करै, उणनै
कदैई हतआस नीं होवणौ पड़ैला।"
यशायाह 8:14;23:16

10 **1**हे भायां, म्हारी आ हियै-तणी इंछा है अर म्हैं परमेसर सूं वां सगळां खातर प्रार्थना करूं हूं कै वांरौ कल्याण व्है। **2**क्यूंकै म्हैं इण बात री साख भरूं हूं कै वां मांय परमेसर री धुन है। पण वा ग्यान माथै टिक्योड़ी कोनी, **3**क्यूंकै वै उण धारमिकता नै नीं जाणै जकी परमेसर सूं मिळै अर वै आपरी ई धारमिकता री थापना रौ जतन करता रैया, इण वास्तै वै परमेसर री धारमिकता नै नीं स्वीकारी। **4**मसीह वैवस्था रौ अंत करयौ जिणसूं कै हर कोई जकौ विस्वास करै है, परमेसर सारू धारमिक होवै।

5धारमिकता बाबत, जकी कै वैवस्था सूं हासल होवै, मूसा लिख्यौ है, "जकौ वैवस्था रै नेम-कायदां माथै चालसी, वौ वांरै कारण जींवतौ रैवैला।"[a] **6**पण विस्वास सूं मिळण वाळी धारमिकता रै विसय में शास्त्र औ कैवै है: "थूं खुद सूं औ मत पूछ, 'सुरग में ऊपर कुण जावैला?' " (मतळब, "मसीह नै धरती माथै लावण सारू।") **7** "कै, 'नीचै पताळ में कुण जावैला?' " (मतळब, "मसीह नै धरती रै हेठै सूं ऊपर लावण सारू। यानी मसीह नै मऱ्योड़ां मांय सूं पाछौ लावण नै।")

8शास्त्र औ कैवै : "वचन थारै कनै है, थारै होठां माथै है अर थारै मन मांय है।"[b] मतळब विस्वास रौ वौ वचन जिणरौ म्हे प्रचार करां हां। **9**कै जे थूं थारै मूंडै सूं कैवै, "यीशु मसीह प्रभु है," अर थूं खुद रै मन मांय औ भरोसौ करै कै परमेसर उणनै मऱ्योड़ां मांय सूं जींवतौ करयौ है, तौ थारौ उद्धार व्है जावैला। **10**क्यूंकै आपरै हिरदै रै भरोसै सूं मिनख धारमिक ठैराईजै अर आपरै मूंडै सूं उणरै विस्वास नै स्वीकार करण सूं उणरौ उद्धार होवै।

11शास्त्र कैवै: "जकौ कोई उणमें भरोसौ राखै, उणनै निरास नीं होवणौ पड़ैला।"[c] **12**औ इण वास्तै कै यहूदियां अर गैर यहूदियां मांय कोई भेद कोनी,

---

[a] ***10:5*** उद्धरण लैव्य व्यवस्था 18:5
[b] ***10:6-8*** उद्धरण व्यवस्था विवरण 30:14
[c] ***10:11*** उद्धरण यशायाह 28:16

क्यूंकै सगळां रौ प्रभु तौ अेक इज है। अर उणरी दया वां सगळां सारू अपरम्पार है, जका उणरौ सिमरण करै। 13हरेक उणरौ कल्याण होवैला, जकौ प्रभु रौ नांव लेवै।"[a]

14पण वै जका उण माथै भरोसौ नीं करै, उणरौ नांव कियां पुकारसी? अर वै जका उणरै बाबत कीं सुण्यौ ई कोनी, उण माथै भरोसौ कियां करैला? अर पछै भलां जद तांई वांनै कोई उपदेस देवणियौ नीं मिळै, वै कियां सुण सकैला? 15अर उपदेसक तद तांई उपदेस ई कियां देय सकैला जद तांई वांनै भेजीज्या नीं होवै? जियां कै शास्त्रां में कैयीज्यौ है : "सुभसंदेस लावणियै रा चरण कित्ता फूटरा है।"[b]

16पण सगळा उण सुभसंदेस नै मान्यौ कोनी। यशायाह कैवै, "हे प्रभु, म्हांरै उपदेस नै कुण स्वीकार कर्‌यौ?"[c] 17इण वास्तै उपदेस सुणण सूं भरोसौ बंधै अर उपदेस तद सुणीजै जद कोई मसीह बाबत उपदेस देवै।

18पण म्हैं कैऊं हूं, "कांई वै म्हांरै उपदेस नै नीं सुण्यौ?" हां, पक्कायत। शास्त्र कैवै :

"वांरौ सुर आखी धरती माथै पसरग्यौ,
अर वांरा वचन जगत रै अेक छोर सूं दूजै छोर
लग पूगग्यौ।" *भजन संहिता 19:4*

19पण म्हैं पूछूं हूं, "कांई इस्राअेली समझता कोनी हा?" मूसा कैवै :

"पैलां म्हैं थां लोगां रै मन में, अैड़ा लोगां रै
मार्फत जका साच्चाणी कोई जात रा नीं है,
ईसकौ पैदा करूंला।
म्हैं विस्वास-विहूण जात रै मार्फत थांनै रीस
दिराऊंला।" *व्यवस्था विवरण 32:21*

20पछै यशायाह हीमत रै सागै कैयौ :

"म्हनै वै लोग हासल कर लियौ
जका म्हनै कोनी सोधै हा।
म्हैं वां सारू प्रगट होयग्यौ जका म्हारी खोज-
खबर में कोनी हा।" *यशायाह 65:1*

21पण परमेसर इस्राअेलियां बाबत कैयौ है,

"म्हैं आखौ दिन आग्या नीं मानणियां
अर म्हारा विरोधियां आगै हाथ पसारतौ
रैयौ।" *यशायाह 65:2*

परमेसर आपरै लोगां नै नीं बिसराया

11 1"तौ म्हैं पूछूं हूं, "कांई परमेसर आपरै इज लोगां नै नकार नीं दिया?" कदैई नीं। क्यूंकै म्हैं ई अेक इस्राअेली हूं, इब्राहीम रै वंस सूं अर बिन्यामीन रै गोत्र सूं हूं। 2परमेसर आपरै लोगां नै नीं नकार्‌या, जिणां नै वौ पैलां सूं टाळ्या हा। या थे औ नीं जाणौ कै अेलिय्याह बाबत शास्त्र कांई कैवै : कै जद अेलिय्याह परमेसर सूं इस्राअेल रा लोगां रै खिलाफ प्रार्थना करै हौ? 3"हे प्रभु, वै थारा नबियां नै मार नांख्या। थारी वेदियां नै तोड़ नांखी। फगत म्हैं इज अेकलौ नबी बच्यौ हूं अर वै म्हनै ई मारण रा जतन करै है।"[d] 4पण उण बगत परमेसर उणनै कैड़ौ उथळौ दियौ हौ, "म्हैं म्हारै सारू सात हजार लोग बचाय राख्या है जकां बाल रै आगै ई माथौ नीं निंवायौ।"[e]

5इण वास्तै आजकाल ई कीं अैड़ा लोग बच्या है जका उणरी किरपा रै कारण टाळीज्या है। 6अर जे औ परमेसर री किरपा रौ फळ है तौ लोग जका करम करै, औ वां करमां रौ फळ कोनी। नींतर तौ परमेसर री किरपा, किरपा ई नीं बाजती।

7तौ इणसूं कांई? इस्राअेल रा लोग जिणनै सोधै हा, वै उणनै नीं पाय सक्या। पण टाळीज्योड़ां नै वौ मिळग्यौ। जदकै बाकी सगळां नै करड़ा बणाईजग्या। 8शास्त्र कैवै है :

"परमेसर वांनै अेक चेतनाविहूण आतमा बगसी।"
यशायाह 29:10

"अैड़ी आंख्यां दी, जकी देख नीं सकै ही
अर अैड़ा कान दिया जका सुण नीं सकै हा।

---

[a] ***10:13*** उद्धरण योअेल 2:32
[b] ***10:15*** उद्धरण यशायाह 52:7
[c] ***10:16*** उद्धरण यशायाह 53:1
[d] ***11:3*** उद्धरण 1 राजा 19:10, 14
[e] ***11:4*** उद्धरण 1 राजा 19:18

अर आ इज गत आज तांई बण्योड़ी है।"

व्यवस्था विवरण 29:4

9दाऊद कैवै :

"आपरै इज भोजनां में फंस'र वै बंदी बण जावै
वांरौ पतन होवै अर वांनै दंड मिळै।
10 वांरी आंख्यां धुंधळी व्है जावै, जिणसूं कै वै देख
नीं सकै
अर थूं वांरी पीड़ रै हेठळ, वांरी कड़तू
सदां सारू झुकायोड़ी राखै।"

भजन संहिता 69:22-23

11इण वास्तै म्हैं कैऊं हूं, कांई वै इण खातर ठोकर खायी कै वै आखड़'र खतम हो जावै? पक्कायत नीं। बल्कै वांरै गळती करण सूं गैर यहूदी लोगां नै छूटकौ मिळ्यौ ताकि यहूदियां में होड माचै। **12**इण भांत जे वांरै गळती करण रौ अरथ सगळै संसार रौ लाभ है अर जे वांरै भटकणै सूं गैर यहूदियां रौ लाभ है तौ वांरी संपूरणता सूं घणौ कीं होवैला।

13औ अबै म्हैं थांसूं कैय रैयौ हूं, जका कै यहूदी कोनी, क्यूंकै म्हैं खास रूप सूं गैर यहूदियां सारू प्रेरित हूं। म्हैं म्हारै काम रै पेटै पूरी तरै लाग्योड़ौ हूं। **14**इण आस रै सागै कै म्हैं म्हारै लोगां में ई होड जगाय सकूं अर वां मांय सूं कीं लोगां रौ कल्याण करूं। **15**क्यूंकै जे परमेसर कांनी सूं वांनै नकार दिया जावण सूं जगत में परमेसर रै सागै मेळ-मिळाप पैदा होवै तौ पछै वांनै अपणावणा कांई मर्‌योड़ां मांय सूं जीवावणौ नीं होवैला? **16**जे म्हांरी भेंट रौ अेक भाग पवित्र है तौ कांई वौ सगळौ ई अबोट कोनी? जे रूंख री जड़ पवित्र है तौ कांई उणरी सगळी डाळ्यां अबोट कोनी।

17पण जे कीं डाळ्यां तोड़'र फेंक दिरीजी अर थूं जकौ अेक जंगळी जैतून री डाळी है, उण माथै पेबंद चढाईज जावै अर वा जैतून रै आधै रूंख री जड़ां री सगती रौ हिस्सौ बंटावण लागै, **18**तौ थनै वां डाळ्यां रै आगै, जकी तोड़'र फेंकीजगी ही, घमंड नीं करणौ चाईजै। अर जे थूं घमंड करै तौ चेतै राख कै थूं वौ नीं है जकौ जड़ां नै पाळै है, बल्कै आ तौ वा जड़ इज है जकी थनै पाळै है। **19**अबै थूं कैवैला, "हां, पण डाळ्यां इण वास्तै तोड़ीजी ही कै म्हारौ पेबंद चढै।" **20**औ साच है कै वै आपरै अविस्वास रै कारण तोड़'र फेंकीजी पण थूं थारै विस्वास रै बूतै थारी ठौड़ टिक्योड़ौ रैयौ। इण वास्तै इणरौ गरब मत कर बल्कै डरतौ रह। **21**जे परमेसर परकतगत डाळ्यां नीं रैवण दी तौ वौ थनै ई नीं रैवण देवैला।

22इण वास्तै थूं परमेसर री कंवळायी नै देख अर उणरी करड़ाई माथै ध्यान दै। आ करड़ाई वांरै सारू है जका पड़ग्या, पण उणरी करुणा थारै सारू है, जे थूं थारै माथै उणरी किरपा बण्योड़ी रैवण देवै। नींतर रूंख सूं थूं ई काट फेंक्यौ जावैला। **23**अर जे वै आपरै अविस्वास में नीं रैवै तौ वांनै ई पाछी रूंख सूं जोड़ ली जावैला क्यूंकै परमेसर समरथ है कै वांनै फेरूं जोड़ देवै। **24**जद थनै परकतगत रूप सूं जंगळी जैतून रै रूंख री अेक डाळी री भांत तोड़'र परकत रै खिलाफ अेक आछै जैतून रै रूंख सूं जोड़ीजग्यौ, तौ औ जकी उण रूंख री आपरी डाळ्यां है, आपरै इज रूंख सूं मजै सूं क्यूं नीं जोड़ीज जावैला।

25हे भायां! म्हैं थांनै इण लुक्योड़ै साच सूं अणजाण नीं राखणा चाऊं, कै थे खुदोखुद नै स्याणा समझण लागौ कै इस्राअेल रा कीं लोग इयां ई करड़ा बणाईजग्या है अर वै उणी भांत बण्या रैसी जद तांई कै घणा सारा गैर यहूदी परमेसर रै परिवार रा अंग नीं बण जावै। **26**अर इण भांत आखै इस्राअेल रौ उद्धार व्हैला। जियां कै शास्त्र कैवै :

"उद्धार करण वाळौ सिय्योन सूं आवैला;
वौ याकूब रै परिवार सूं सगळी बुरायां दूर
करैला।
27 म्हारौ औ वाचौ वांरै साथै
तद होवैला जद म्हैं वांरै पापां नै हर लेऊंला।"

यशायाह 59:20-21; 27:9

28जठै तांई सुभसंदेस रौ सगपण है, वै थारै हित मांय परमेसर रा दोखी है, पण जठै तांई परमेसर कांनी सूं वांनै टाळण रौ सगपण है, वै वांरै पुरखां नै दिरीज्योड़ै वचन मुजब परमेसर रा व्हाला है। **29**क्यूंकै परमेसर जिणनै बुलावै अर जिणनै वौ देवै, उणरी तरफ सूं आपरौ मन कदैई नीं फोरै। **30**क्यूंकै जिण भांत थे लोग पैलां कदैई परमेसर री आग्या कोनी मानता हा पण अबै थांनै उण अवग्या रै कारण परमेसर री दया मिळ्योड़ी है। **31**बियां ई अबै वै उणरी आग्या नीं मानै

क्यूंकै परमेसर री दया थांरै माथै है। ताकि अबै वांनै ई परमेसर री दया मिळै। 32क्यूंकै परमेसर सगळा लोगां नै अवग्या रै कारागार मांय इण वास्तै रोड़ राख्या है कै वौ वां माथै दया कर सकै।

परमेसर धिन है

33परमेसर री करुणा, बुद्धि अर ग्यान कित्ता अपरम्पार है। उण रा न्याय कित्ता गैरा है; उण रा मारग कित्ता गूढ है। 34शास्त्र कैवै है :

"प्रभु रै मन नै कुण जाणै?
अर उणनै सल्ला देवणियौ कुण व्है सकै?"
यशायाह 40:13

35 "परमेसर नै कुण कांई दियौ है?
कै वौ किणी नै उणरै बदळै कीं देवै।"
अय्यूब 41:11

36क्यूंकै सगळां रौ सिरजणहार वौ इज है। उणी सूं सगळा थिर है अर वौ वांरै वास्तै इज है। उणरी हमेस महिमा बणी रैवै। आमीन।

आप-आपरौ जीवण प्रभु नै अरपण करौ

12 1इण वास्तै हे भायां, परमेसर री दया नै चेतै कराय'र म्हैं थांसूं अरज करूं हूं कै आप-आपरौ जीवण अेक जींवतै बळिदान रै रूप में परमेसर नै राजी करता थकां अरपित कर दौ। आ थांरी आध्यात्मिक उपासना है, जिणनै थांनै उणनै चुकावणी है। 2अबै इणसूं आगै इण दुनिया री रीत माथै मत चालौ बल्कै आप-आपरै मन नै नूंवौ बणाय'र खुदोखुद नै बदळ नाखौ। जिणसूं कै थांनै ठाह पड़ जावै कै परमेसर थांरै सारू कांई चावै है। मतलब जकौ उत्तम है, जकौ उणनै भावै अर जकौ अपणै आप में पूरौ है।

3इण वास्तै किरपा रै कारण जकौ उपहार वौ म्हनै दियौ है, उणनै ध्यान में राखता थकां म्हैं थांनै हरेक नै कैऊं हूं, अपणै आपनै समझौ, मतळब कै जित्तौ विस्वास वौ थांनै दियौ है, उणी मुजब खुद नै समझणौ चाईजै। 4क्यूंकै जियां आपां मांय सूं हरेक रै सरीर में केई अंग है। भलांई सगळै अंगां रा काम अेक सरीखा मत होवौ। 5आपां केई हां पण मसीह मांय आपां देही रै रूप में अेकमेक व्है जावां। इण भांत हरेक अंग दूजै अंग सूं जुड़ जावै।

6तौ पछै उणरी किरपा मुजब आपां नै जका न्यारा-न्यारा उपहार मिळ्या है, आपां वांनै सावळसर बरतां। जे किणी नै भविसवाणी री खिमता दिरीजी है तौ उणनै आपरै कनै जित्तौ विस्वास है उणरै मुजब भविसवाणी करणी चाईजै। 7जे किणी नै सेवा करण रौ उपहार मिळ्यौ है तौ अपणै आपनै सेवा सारू समरपित कर देवै, जे किणी नै उपदेस देवण रौ काम मिळ्यौ है तौ उणनै खुदोखुद नै प्रचार में लगावणौ चाईजै। 8जे कोई सल्ला देवण री खिमता राखै तौ उणनै सल्ला देवणी चाईजै। जे किणी नै दान देवण रौ उपहार मिळ्यौ है तौ उणनै मुगत भाव सूं दान देवणौ चाईजै। जे किणी नै आगीवांण बणण रौ उपहार मिळ्यौ है तौ वौ लगन रै सागै आगीवाणी करै। जिणनै दया दिखावण नै मिळी है, तौ उणनै राजी हुय'र दया करणी चाईजै।

9थांरौ प्रेम साचौ होवै। थे माड़ै काम सूं घिरणा करौ। नेकी सूं जुड़ौ। 10भाईचारै रै सागै अेक-दूजै रै पेटै अपणायत राखौ। आपस में अेक-दूजै नै घणै मान बेसी सूं बेसी महत्त्व देवौ। 11हूंस राखौ, आळस त्यागौ। आतमा रै तेज सूं पळकौ। प्रभु री सेवा करौ। 12आपरी आस में राजी रैवौ। आफत री बगत धीजौ राखौ। लगोलग प्रार्थना करता रैवौ। 13परमेसर रा लोगां री जरूरत में हाथ बंटावौ। अतिथि सत्कार रा टाणा ढूंढता रैवौ।

14जका थांनै सतावै वांनै आसीरवाद देवौ। वांनै स्राप मत देवौ, आसीसां देवौ। 15जका राजी है वांरै सागै राजी रैवौ। जका दुखी है, वांरै दुख में दुखी होवौ। 16मेळमिळाप सूं रैवौ। गरब मत करौ बल्कै दीनहीणां री संगत करौ। खुद नै घणा स्याणा मत समझौ।

17बुराई रौ बदळौ बुराई सूं किणी नै मत देवौ। सगळा लोगां री आंख्यां में जकौ आछौ काम होवै वौ इज करण री सोचौ। 18जठै तांई बण पड़ै, सगळा मिनखां रै सागै राजी-खुसी रैवौ। 19किणी सूं अपणै आप बदळौ मत लेवौ। म्हारा मित्रां, बल्कै इणनै परमेसर री रीस माथै छोड दौ, क्यूंकै शास्त्र में लिख्योड़ौ है : "प्रभु कैयौ है बदळौ लेवणौ म्हारौ काम है। पड़दान म्हैं देऊंला।" [a]

[a] ***12:19*** उद्धरण व्यवस्था विवरण 32:35

20 बल्कै थूं तौ
"जे थारौ सत्रु भूखौ है, तौ उणनै भोजन करा।
जे वौ तिरसौ है, तौ उणनै पीवण नै दे।
क्यूंकै जे थूं अैड़ौ करैला तौ वौ थासूं
लजखाणौ पड़सी।" *नीति. 25:21-22*

21 बुराई सूं मत हार बल्कै आपरी नेकी सूं बुराई नै हराय नांख।

सासक री आग्या मानौ

13 1 हरेक आदमी नै प्रधान सत्ता री आधीनता स्वीकारणी चाईजै। क्यूंकै सासन रौ अधिकार परमेसर कांनी सूं है। अर जका कनै अधिकार मौजूद है वांनै परमेसर ई भोळाय राख्या है। 2 इण वास्तै जकौ सत्ता री खिलाफत करै, वौ परमेसर री आग्या री खिलाफत करै है। अर जकौ परमेसर री आग्या री खिलाफत करै, वै दंड रा भागी बणसी। 3 अबै देखौ, कोई सासक उण आदमी नै जकौ नेकी करै, नीं डरावै बल्कै उणनै इज डरावै जकौ भूंडा काम करै। जे थे सत्ता सूं नीं डरणौ चावौ, तौ भला काम करता रैवौ। थांनै सत्ता री सरावणा मिळसी।

4 जका सत्ता मांय है वै परमेसर रा सेवक है, वै थारौ भलौ करण सारू है। पण जे थूं भूंडौ काम करै तौ उणसूं डर क्यूंकै उणरी तलवार बेकार कोनी। वौ परमेसर रौ सेवक है जकौ भूंडा काम करणियां माथै परमेसर री रीस लावै। 5 इण वास्तै समरपण जरूरी है। नीं फगत डर रै कारण बल्कै थारी आपरी चेतना रै कारण।

6 इणी वास्तै तौ थे लोग कर ई चुकावौ हौ क्यूंकै अधिकारी परमेसर रौ चाकर है जकौ आपरै कर्तव्यां नै इज पूरा करण में लाग्योड़ौ रैवै। 7 जिण किणी रौ थनै देवणौ है, चुकाय दे। जकौ कर थनै देवणौ है, वौ दे। जिणरी चूंगी थारै माथै निकळै, उणरी चूंगी चुका। जिणसूं थनै डरणौ चाईजै, थूं उणसूं डर। जिणरौ आदर करणौ चाईजै उणरौ आदर कर।

प्रेम इज विधान है

8 आपसी प्रेम रै टाळ किणी रौ रिण खुद माथै मत राख, क्यूंकै जकौ आपरै साथ्यां सूं प्रेम करै, वौ इण भांत वैवस्था नै इज पूरी करै है। 9 म्हें औ इण वास्तै कैऊं हूं, "व्यभिचार मत कर, हत्या मत कर, चोरी मत कर, लोभ-लाळच मत राख।"[a] अर जकी ई दूजी वैवस्थावां व्है सकै है, इण वचन में समाय जावै, "थनै थारै साथी सूं बियां ई प्रेम करणौ चाईजै, जियां थूं अपणै आपसूं करै।"[b] 10 प्रेम आपरै साथी रौ बुरौ कदैई नीं करै। इण वास्तै प्रेम करणौ, वैवस्था रै विधान नै पूरौ करणौ है।

11 औ सो-कीं थे इण वास्तै करौ कै जैड़ै बगत में थे रैय रैया हौ, उणनै जाणौ हौ। थे जाणौ हौ कै थांरै सारू खुद री नींद सूं जागण रौ समै आयग्यौ है, क्यूंकै जद आपां विस्वास धारण कर्‌यौ हौ, आपां रौ उद्धार अबै उणसूं साव नैड़ौ है। 12 "रात" लगैटगै बीतगी है, "दिन" कनै इज है। इण वास्तै आवौ, आपां वां करमां सूं छूटकौ पाय लेवां जका अंधारै रा है। आवौ, आपां उजास रा अस्त्रां नै धारण करां। 13 इण वास्तै आपां बियां ई आछी रीत सूं रैवां जियां दिन री बगत रैवां हां। अणूती दावतां में जाय'र कठैई खा-पीय'र धुत्त नीं व्है जावौ। लुच्चापणै, दुराचार अर व्यभिचार में मत पड़्या। ना झौड़ मांड्या अर ना ई किणी सूं ईसकौ। 14 थे तौ प्रभु यीशु मसीह नै धारण करौ। आपरी मिनखादेही री इंछावां नै पूरी करण में इज मत लाग्या रैवौ।

दूजां में खोट मत काढौ

14 1 जिणरौ भरोसौ काचौ है, उणरौ ई स्वागत करौ, पण मतभेदां माथै झौड़ करण सारू नीं। 2 कोई आ मानै कै वौ सगळौ कीं खाय सकै, पण कोई दूबळौ आदमी फगत साग-पात इज खावै। 3 तौ वौ, जकौ हर तरै रौ खाणौ खावै है, उणनै उण आदमी नै हीण नीं समझणौ चाईजै जकौ थोड़ौ-घणौ खावै। बियां ई वौ जकौ घणी चीजां नीं खावै, उणनै ई सगळौ कीं खावणियै नै कीं नीं कैवणौ चाईजै। क्यूंकै परमेसर उणनै अंगेज लियौ है। 4 थूं किणी दूजै घर रै दास माथै दोस मंडणियौ कुण होवै है? उणरी हामळ कै पछै उणनै गळत ठैरावणौ तौ मालक माथै इज निरभर है। वौ आसरै में रैवैला क्यूंकै उणनै प्रभु आसरौ देय'र टिक्यौ रैवण री सगती दी है।

5 अर पछै कोई किणी अेक दिन नै सगळा दिनां सूं सिरै मानै अर दूजौ उण दिन नै सगळां दिनां रै बरोबर इज मानै तौ हरेक आदमी नै पूरी तरै सूं आपरी बुद्धि री बात इज मानणी चाईजै। 6 जकौ किणी विसेस दिन

---

[a] ***13:9*** उद्धरण निर्गमन 20:13-15, 17
[b] ***13:9*** उद्धरण लैव्य व्यवस्था 19:18

मनावै, वौ उणनै प्रभु नै आदर देवण सारू इज मनावै। अर जकौ सगळौ कीं खावै वौ प्रभु नै आदर देवण सारू इज खावै। क्यूंकै वौ परमेसर रौ धिनवाद करै। अर जकौ केई चीजां कोनी खावै, वौ ई अैड़ौ इण वास्तै इज करै क्यूंकै वौ ई प्रभु नै आदर देवणौ चावै। वौ ई परमेसर नै इज धिनवाद देवै है।

7म्हां मांय सूं कोई नीं तौ आपरै सारू जीवै है अर ना ई आपरै सारू मरै। **8**म्हे जीवां हां तौ फगत प्रभु सारू अर जे मरां हां तौ ई प्रभु सारू। इण वास्तै भलांई म्हे जीवां कै मरां, हां तो आपां प्रभु रा इज। **9**इण वास्तै मसीह मर्‌यौ; अर इणी सारू जींवतौ ई होय उठ्यौ ताकि वौ, वै जका अबै मर चुक्या है अर वै जका अजै जींवता है, दोनूं रौ प्रभु बण सकै।

10इण वास्तै थूं विस्वास मांय सबळ भाई माथै दोस क्यूं मंढै? कै पछै थूं थारै विस्वास में निबळै भाई नै हीणौ क्यूं मानै? आपां सगळां नै परमेसर रै न्याय रै सिंघासण आगै ऊभणौ पड़सी। **11**शास्त्र में लिख्योड़ौ है :

"प्रभु कैयौ है, 'म्हारै जीवण री सौगन'
'हरेक नै म्हारै सांम्ही गोडा ढाळणा पड़सी;
अर हरेक जबान परमेसर नै ओळखैला।' "

यशायाह 45:23

12इण वास्तै आपां मांय सूं हरेक नै परमेसर रै आगै आपरौ लेखौ-जोखौ देवणौ पड़सी।

पाप सारू मत उकसाव

13इण वास्तै आपां आपसरी में खोट काढणी बंद करां अर औ निस्चै करां कै म्हांरै भाई रै मारग में म्हे कोई रोड़ौ नीं अटकावां अर ना ई उणनै पाप करण खातर उकसावांला। **14**प्रभु यीशु मांय आस्थावान होवण रै कारण म्हैं मानूं हूं कै अपणै आप मांय कोई भोजन अपवित्र कोनी। वौ फगत उणरै सारू अपवित्र है, जकौ उणनै अपवित्र मानै, उणरै सारू उणनै खावणौ गळत है।

15जे थारै भाई नै थारै भोजन सूं ठबक लागै तौ थूं साच्याणी उण सागै हेत रौ वैवार नीं कर रैयौ है। इण वास्तै थूं थारै भोजन सूं उणनै ठेस मत पुगा। क्यूंकै मसीह उण खातर भी आपरा प्राण तजिया है। **16**इण वास्तै जकौ थारै वास्तै चोखौ है उणनै निंदाजोग मत बणण दै। **17**क्यूंकै परमेसर रौ राज खाली खावणौ-पीवणौ नीं है बल्कै वौ तौ धारमिकता है, सांति है अर पवित्र आतमा सूं मिळ्यौ आणंद है। **18**जकौ मसीह री भांत सेवा करै, उण माथै परमेसर हमेस तूठै अर लोग ई उणनै घणौ मान देवै।

19इण वास्तै, वां बातां में लागौ जकी सांति बधावै अर जिणसूं अेक दूजै नै आत्माऊ बधोतरी में सहायता मिळै। **20**खुद रै जीमण खातर परमेसर रै काम नै मत बिगाड़ौ। हरेक भांत रौ भोजन पवित्र है पण किणी ई आदमी सारू वौ कीं खावणौ ठीक कोनी जकौ किणी दूजै भाई नै पाप रै मारग धकोलै। **21**मांस नीं खावणौ सिरै है, दारू नीं पीवणौ आछौ है अर कीं ई अैड़ौ नीं करणौ ठीक है जकौ थारै भाई नै पाप रै गेलै घालै।

22थारै भरोसै नै परमेसर अर थारै बिचाळै इज राख। वौ धिन है जकौ जिणनै आछौ समझै, उणरै सारू खुद नै दोसी नीं समझै। **23**पण जे कोई अैड़ी चीज खावै, जिणनै खावण पेटै वौ राजी-बाजी नीं है तौ वौ दोसी बाजैला। क्यूंकै उणरौ खावणौ उणरै विस्वास मुजब नीं है अर वौ सगळौ कीं जकौ विस्वास माथै टिक्योड़ौ कोनी, पाप है।

15 **1**आपां जका आत्माऊ रूप सूं सबळ हा, वांनै उणां री निबळायी सहणी चाईजै जका सबळा कोनी। आपां नै खाली खुद नै इज राजी नीं राखणौ चाईजै। **2**आपां मांय सूं हरेक दूसरा नै ई इण भावना सूं राजी राखां कै वांरी आत्माऊ बधोतरी होवै। **3**अठै तांई कै मसीह ई खुद नै राजी नीं कर्‌यौ। बल्कै जियां कै मसीह बाबत शास्त्र कैवै है : "वांरौ अपमान जकां थारौ अपमान कर्‌यौ है, म्हारै माथै आय पड़ियौ है।"[a] **4**हरेक वा बात जकी शास्त्रां मांय पैलां लिखीजी, आपां नै सीख देवण सारू इज ही। इणसूं जकौ धीरज अर बधावौ शास्त्रां सूं मिळै है, आपां मांय उणसूं आस जागै। **5**अर आखै धीरज अर बधापै रौ स्रोत परमेसर, थांनै वरदान देवै कै थे लोग अेक-दूजै रै सागै यीशु मसीह रै मारग माथै चालता थकां आपसरी में अपणायत सूं रैवौ।

6ताकि थे सगळा अेकै सागै अेक सुर सूं म्हांरै प्रभु यीशु मसीह रा परमपिता परमेसर नै महिमा बगस सकौ। **7**इण वास्तै अेक दूजै सूं अपणायत राखौ जियां थे मसीह नै अपणायौ। औ परमेसर री महिमा खातर

---

[a] ***15:3*** उद्धरण भजन संहिता 69:9

करौ। 8म्हैं थां लोगां नै बताऊं हूं कै औ प्रगट करण
सारू कै परमेसर भरोसैजोग है, वांरै पुरखां नै दिरीज्यै
परमेसर रै वचन नै पक्कौ करण सारू मसीह यहूदियां
रौ चाकर बण्यौ। 9ताकि गैर यहूदी लोग ई परमेसर नै
उणरी करुणा सारू महिमा बगस सकै। शास्त्र कैवै है :

"इण वास्तै गैर यहूदियां रै बिचाळै
थनै पिछाणूंला अर थारै नांव री महिमा
गाऊंला।" *भजन संहिता 18:49*

10अर औ ई कैयीज्यौ,

"हे गैर यहूदियां, परमेसर रा टाळ्योड़ा लोगां सागै
राजी-बाजी रैवौ।" *व्यवस्था विवरण 32:43*

11अर पछै शास्त्र औ ई कैवै है,

"हे गैर यहूदी लोगां, थे प्रभु री स्तुति करौ।
अर सगळी जातियां! परमेसर री स्तुति करौ।"
भजन संहिता 117:1

12अर पछै यशायाह ई कैवै,

"यिशै रौ अेक वंसज प्रगट व्हैला
जकौ गैर यहूदियां रै सासक रै रूप में उभरसी।
गैर यहूदी उण माथै आपरौ भरोसौ
जतावैला।" *यशायाह 11:10*

13सगळी आसावां रौ स्रोत परमेसर, थांनै आवगै
आणंद अर सांति सूं भर देवै, जैड़ौ कै थांरौ उण मांय
भरोसौ है। ताकि पवित्र आतमा री सगती सूं थे आसा
सूं राता-माता व्है जावौ।

पौलुस कांनी सूं आपरै कागद अर कामां री चरचा

14हे म्हारा भायां, म्हनै खुद नै थांरै माथै भरोसौ है कै
थे नेकी सूं भर्‌योड़ा हौ अर ग्यान सूं राता-माता। थे
अेक-दूजै नै सीख देय सकौ हौ। 15पण थांनै पाछौ
चेतै करावण सारू म्हैं कीं विसयां बाबत साव साफ
लिख्यौ है। म्हनै परमेसर री जकी किरपा मिळी है, म्हैं
उण कारण इज औ लिखियौ है। 16मतळब कै म्हैं गैर
यहूदियां सारू यीशु मसीह रौ चाकर बण'र परमेसर
रै सुभसंदेस सारू अेक याजक रै रूप मांय काम करूं
ताकि गैर यहूदी परमेसर रै आगै स्वीकार करणजोग
भेंट बण सकै अर पवित्र आतमा रै मार्फत परमेसर
सारू पूरी तरै पाक बणै।

17इण वास्तै यीशु मांय अेक मिनख रै रूप में परमेसर
रै पेटै म्हारी सेवा रौ म्हनै गुमेज है। 18क्यूंकै म्हैं फगत वां
इज बातां नै कैवण री हीमत करूं हूं जकी नै मसीह गैर
यहूदियां नै परमेसर री आग्या मानण रौ मारग दिखावण
रौ काम म्हारै वचनां, म्हारै करमां, 19अचरज जोग
चिह्नां अर अचरज भर्‌या कामां री सगती अर परमेसर
री आतमा रै सामरथ सूं, म्हारै मार्फत पूरा कर्‌या। इण
वास्तै यरूशलेम सूं लेय'र इल्लुरिकुम रै च्यारूंमेर
मसीह रै सुभसंदेस रै उपदेस रौ काम म्हैं पूरौ कर्‌यौ।
20म्हारै मन मांय हमेस आ चावना रैयी है कै म्हैं
सुभसंदेस रौ उपदेस बठै दूं जठै कोई मसीह रौ नांव
तक नीं जाणै, जिणसूं कै म्हैं किणी दूजै आदमी री नींव
माथै निरमाण नीं करूं। 21पण शास्त्र कैवै :

"जकां नै उणरै बारै में नीं बताईज्यौ, वै उणनै
देखैला।
अर जकां सुणियौ तक नीं, वै ई समझैला।"
यशायाह 32:15

पौलुस रौ रोम जावण रौ मत्तौ

22म्हारा अै कर्तव्य म्हनै थांरै कनै आवण सूं बार-बार
रोकता रैया है।

23पण क्यूंकै अबै आं प्रदेसां मांय कोई ठौड़ नीं
बची है अर घणै बरसां सूं म्हैं थांसूं मिळणौ चाऊं हूं,
24इण वास्तै म्हैं जद इसपानिया जाऊंला तद आसा
है, थांसूं मिळसूं! म्हनै उम्मेद है कै इसपानिया जावती
बगत थांसूं मिळाप होवैला। थांरै सागै कीं दिन ठैरण
रौ आणंद लियां पछै म्हनै भरोसौ है कै बठै री जात्रा
सारू म्हनै थांरी मदद मिळैला।

25पण अबार म्हैं परमेसर रा पवित्र लोगां री सेवा
मांय यरूशलेम जाऊं हूं। 26क्यूंकै मकिदुनिया अर
अखैया रै कलीसिया रा लोगां यरूशलेम मांय परमेसर
रै पवित्र लोगां मांय जका दीनहीण है, वां सारू कीं
देवणौ तै कर्‌यौ है। 27हां, वांरै सारू वांरौ कीं कर्तव्य ई
बणै है, क्यूंकै जे गैर यहूदियां, यहूदियां रै आध्यात्माऊ

कामां मांय हिस्सौ बंटायौ है तौ गैर यहूदियां नै ई वां सारू भौतिक सुख जुटावणौ चाईजै। 28सो म्हारौ औ काम पूरौ कर'र अेकठ करीज्यै धन नै सावळसर वांरै हाथां में सूंप्यां पछै म्हैं थांरै नगर सूं होवतौ थकौ इसपानिया सारू रवाना होऊंला 29अर म्हैं जाणूं हूं कै जद म्हैं थांरै कनै आऊंला तौ थांरै सारू मसीह री पूरी आसीसां रै सागै आऊंला।

30हे भायां, थांसूं म्हैं प्रभु यीशु कांनी सूं आतमा सूं जकौ प्रेम पावै, उणरी साखी देय'र प्रार्थना करूं हूं कै थे म्हारै कांनी सूं परमेसर रै पेटै साची प्रार्थनावां मांय म्हारौ सागौ देवौ 31कै म्हैं यहूदियां मांय अभरोसौ राखणियां सूं बच्योड़ौ रैऊं अर यरूशलेम रै पेटै म्हारी सेवा नै परमेसर रा पवित्र जन स्वीकारै। 32ताकि परमेसर री इंछा मुजब म्हैं राजी-खुसी थांरै कनै आय'र थांरै सागै आणंद मनाय सकूं। 33आखी सांति रौ धाम परमेसर थांरै सागै रैवै। आमीन।

रोम रा मसीहियां नै पौलुस रौ संदेस

16 1म्हैं किंख्रिया री कलीसिया री खास सेविका म्हांरी बैन फीबे री थांसूं सिफारस करूं हूं 2कै थे उणनै प्रभु मांय अैड़ी रीत सूं अंगेजौ जैड़ी रीत परमेसर रा लोगां रै जोगी है। उणनै थांसूं जकी चीजां री चावना होवै, वै सगळी देय'र थे उणरी मदद करजौ, क्यूंकै वा म्हारै समेत घणकरां री सहायक रैयी है।

3 प्रिस्का अर अक्विला नै म्हारौ नमस्कार। वै यीशु
मसीह मांय म्हारा सहकरमी है। 4वां म्हारा
प्राण बचावण सारू आपरै जीवण नै ई
दांव माथै लगाय दीनौ हौ। म्हैं नीं फगत वांनै
धिनवाद देऊं हूं बल्कै गैर यहूदियां री सगळी
कलीसियां ई वांरी धिनवादी है।
5 उण कलीसियां नै ई म्हारौ नमस्कार जकी वांरै घरै
भेळी होवै।
म्हारा व्हाला मित्र इपनितुस नै म्हारौ नमस्कार
जकौ अेशिया में मसीह नै अपणावणियौ
पैलौ मिनख है।
6 मरियम नै नमस्कार, जकी थांरै सारू घणा काम
कर्‌या है।
7 म्हारा कुटुम्बी अन्द्रनीकुस अर यूनियास नै ई
नमस्कार, जका म्हारै सागै कैदखानै में हा
अर जका खास धरम-प्रचारकां मांय चावा है
अर जका म्हासूं ई पैलां मसीह में हा।
8 प्रभु मांय म्हारा व्हाला मित्र अम्पलियातुस
नै नमस्कार। 9मसीह में म्हारा सहकरमी
उरबानुस अर म्हारा व्हाला मित्र इस्तुखुस
नै नमस्कार। 10मसीह में खरा अर साचा
अपिल्लेस नै नमस्कार।
अरिस्तुबुलुस रै परिवार नै नमस्कार। 11यहूदी
साथी हिरोदियोन नै नमस्कार।
नरकिस्सुस रै परिवार रा वां लोगां नै नमस्कार,
जका प्रभु में है। 12त्रुफेना अर त्रुफोसा नै
जका प्रभु में मैणती कार्यकर्ता है, नमस्कार।
म्हारी व्हाली परसिस नै म्हारौ नमस्कार, जकी
प्रभु में घणी मैणत करी है।
13 प्रभु रै बेजोड़ चाकर रूफुस नै अर उणरी मां नै,
जकी म्हारी ई मां रैयी है, नमस्कार।
14 असुंक्रितुस, फिलगोन, हिर्मेस, पत्रुबास, हिर्मोस
अर वांरै साथी-बंधुवां नै नमस्कार।
15 फिलुलुगुस, यूलिया, नेर्युस अर उणरी बैन
उलुम्पास अर वांरै सगळा साथी संतां नै
नमस्कार।
16 थे लोग पवित्र व्हालै सूं अेक-दूजै रौ सुआगत
करौ।
थांनै सगळी मसीही कलीसियां कांनी सूं
नमस्कार।

17हे भायां, म्हैं थांसूं अरज करूं हूं कै थां जकी शिक्षा हासल करी हौ, उणसूं उलट थांरै मांय जका फूट नांखै अर दूजां रै विस्वास नै बिगाड़ै, वांसूं सावचेत रैवौ। वांसूं अळघा इज रैवौ। 18क्यूंकै अै लोग म्हांरै प्रभु यीशु मसीह री नीं बल्कै आपरै पेट री पूजा करै है। अर आपरी खुसामदी अर चीकणी-चोपड़ी बातां सूं भोळाढाळा लोगां रै हिरदै नै छळै है। 19थांरी आग्याकारिता री चरचा बारै हरेक कनै पूग चुकी है। इण वास्तै थांसूं म्हैं घणौ राजी हूं। पण म्हैं चाऊं हूं कै थे नेकी सारू बुद्धिवान बण्या रैवौ अर बुराई कांनी झांकौ ई मत घालौ।

20सांति रौ स्रोत परमेसर बेगौ ई सैतान नै थांरै पगां नीचै चींथ देवैला।

म्हांरै प्रभु यीशु मसीह री थां माथै किरपा बणी रैवै।
21म्हांरा साथी कार्यकर्ता तीमुथियुस अर म्हारा यहूदी साथी लूकियुस, यासोन अर सोसिपत्रुस कांनी सूं थां सगळां नै नमस्कार।
22इण पत्र रै लेखक म्हारौ तिरतियुस रौ प्रभु में थांरौ नमस्कार।
23म्हारै अर सगळी कलीसियां रौ सुआगत करणिया गयुस रौ थांनै नमस्कार। इरास्तुस जकौ नगर रौ खजांची है अर म्हांरै बंधु क्वारतुस रौ थांनै नमस्कार। **24** [a]

25उणरी महिमा होवै, जकौ थांरै भरोसै रै मुजब मतळब यीशु मसीह रै संदेस रै जिण सुभसंदेस रौ म्हैं उपदेस देऊं हूं उणरै मुजब थांनै मजबूत बणावण में समरथ है। परमेसर रौ औ रहसवाळौ साच जुगां-जुगां सूं लुक्योड़ौ हौ। **26**पण जकै नै अणंत परमेसर रै हुकम सूं भविसवक्तावां रै लेखां रै मार्फत अबै आपां अर गैर यहूदियां बिचाळै प्रगट कर'र बताईजग्यौ है, जिणसूं कै भरोसै सूं उपजण वाळी आग्याकारिता जलमै।
27यीशु मसीह रै मार्फत उण अेकूकै ग्यानवान परमेसर री अणंत काळ तांई महिमा होवै। आमीन!

[a] ***16:24*** कीं यूनानी पड़तां मांय पद 24 जोड़ीज्यौ है : "म्हांरै प्रभु यीशु री किरपा थां सगळां सागै रैवै। आमीन।"